भाद्रपद शुक्ल पक्ष नवमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 59 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
01 सितंबर 2025 सोमवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
25 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

Page-7

# ओबीसी आरक्षण पर सहमति, आग का दरिया है और डूब के जाना है!

'ये इश्क नहीं आसां इतना ही समझ लीजे, इक आग का दरिया है और डूब के जाना है।' मशहूर शायर जिगर मुरादाबादी का यह मक़बूल शेर है, जो इश्क की राह में आने वाली मुश्किलों को लेकर लिखा गया था। वर्तमान में यह प्रदेश में ओबीसी के आरक्षण को लेकर चल रही कसरत पर मौजूं है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सभी राजनीतिक दलों को एक मंच लाकर इस बात पर सर्वसम्मति करा ली है कि प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग के बच्चों को 27 फीसदी आरक्षण दिया जाए। अभी आठ लाख की क्रीमीलेयर के साथ ओबीसी को 14 फीसदी आरक्षण प्राप्त है और आठ लाख से कम की वार्षिक आय सीमा वाले प्रतियोगी इसका लाभ ले रहे हैं। अनुसूचित जाति को 16 फीसदी और अनुसूचित जनजाति के लिए आबादी के आधार पर 20 फीसदी आरक्षण है। यानि तीनों को मिलाकर अधिकतम पचास फीसदी के दायरे में है। इसमें आर्थिक रूप से पिछड़े उच्च वर्ग के 10 फीसदी आरक्षण को जोड़ दें तो यह साठ और ओबीसी के प्रस्तावित तेरह फीसदी को जोड़ें, तो यह कुल मिलाकर 73 प्रतिशत हो जाता है।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

### मुद्दा आरक्षण की सीमा बढ़ाने का - पार्ट-1

वर्ष 2019 में कांग्रेस राज में कमलनाथ सरकार ने विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित करके ओबीसी आरक्षण को 27 फीसदी तक बढ़ाने का फैसला कर लिया था। लेकिन मप्र हाईकोर्ट ने इस पर संविधान के प्रावधानों का हवाला देते हुए यह कहकर रोक लगा दी थी कि 27 फीसदी आरक्षण देने से संविधान में तय अधिकतम सीमा 50 फीसदी से अधिक यानि 63 फीसदी हो जाता है। इसके चलते उसने पीएससी से चयनित 14 फीसदी ओबीसी प्रतियोगियों के नतीजे तो जारी करा दिए लेकिन 13 फीसदी को छह सालों से होल्ड पर रखा गया है। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील के चलते यह मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। भाजपा और कांग्रेस सहित लगभग सभी दलों ने इसकी हर दिन सुनवाई का अनुरोध किया था, जिसे देश की सर्वोच्च अदालत ने मंजूर भी कर लिया है। अब 22 सितंबर से इस पर हर दिन नियमित रूप से सुनवाई करेगी। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट का जो भी फैसला आएगा वह संविधान के तहत तय आरक्षण सीमा के बाहर होगा, इसको लेकर अभी संशय बरकरार है।

मुख्यमंत्री ने 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण पर सर्वदलीय बैठक में सहमति जताते हुए सभी दलों से कहा है कि वे भी सरकारी वकील के साथ अपने वकीलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में इसके पक्ष में दलीलें रखें। उन्होंने राज्य लोक सेवा आयोग को भी निर्देशित किया है कि वह देश की सर्वोच्च अदालत में दिए गए उस हलफनामें को वापस ले जो मप्र हाईकोर्ट के 13 फीसदी ओहदों को आरक्षित करने के फैसले के तहत परीक्षा परिणाम रोकने को लेकर दिया गया है। यानि, आयोग इसे वापस लेकर नया शपथपत्र पेश करेगा। पर सवाल यही है कि क्या इससे प्रदेश में 27 फीसदी आरक्षण के प्रस्ताव को सुप्रीम कोर्ट मान लेगा? संविधान में तय पचास फीसदी आरक्षण की सीमा के पार जाकर आरक्षण लागू करने पर सहमति दे देगा? मौजूदा प्रावधानों के तहत यह सुप्रीम कोर्ट के जरिए मुमकिन नहीं है। यह तभी हो सकता है जब संविधान में संशोधन पेश करके सरकार इसे 1951 में हुए पहले संशोधन के जरिए बनाई गई नवमी अनुसूची में शरीक करे जिसमें भूमि सुधारों से जुड़े कानूनों को सर्वोच्च अदालत के दायरे से बाहर रखा गया था।

### केवल तमिलनाडू में ही 69 फीसदी आरक्षण

प्रदेश में ओबीसी के लिए 27 फीसदी आरक्षण के प्रस्ताव को सर्वदलीय बैठक में मंजूरी देने के बाद कांग्रेस और भाजपा में इसका सेहरा अपने सिर बांधने की होड़ भले ही चल पड़ी है लेकिन पूरे भारत में केवल तमिलनाडू में ही 69 फीसदी आरक्षण लागू है। गौतलब होगा कि 1980 के दशक में तमिलनाडु के तत्कालीन मुख्यमंत्री एमजी रामचंद्रन और 1990 के दशक में जे. जयललिता के अनुसूचित जाति और जनजाति के आरक्षण को 69 फीसदी करने के आदेश पर काफी विवाद हुआ। बाद में जयललिता ने तमिलनाडू विधानसभा में 69 फीसदी आरक्षण सीमा करने का प्रस्ताव पारित करके लोकसभा में भिजवाया था। यह वर्ष 1993-94 के दौरान की बात है। तब जब केंद्र में नरसिंहाराव की अल्पमत सरकार सत्ता में थी। जयललिता के दवाब के चलते नरसिंहाराव ने 1994 में संविधान में 76 वां संशोधन करके इसे अनुसूची 9 में शामिल कर 69 फीसदी आरक्षण का रास्ता साफ किया था। संविधान के मुताबिक अनुसूची 9 में शामिल विषय सुप्रीम कोर्ट के विचार और फैसले के दायरे से बाहर हो जाते हैं। सब जानते हैं कि तब नरसिंहराव सरकार ने उस वक्त की राजनीतिक मजबूरियों के चलते संसद में इसका प्रस्ताव पारित किया था। अनूसूची 9 संविधान के 1951 में हुए पहले संशोधन के तहत बनी थी जो भूमि सुधारों से जुड़ा था और इसे सुप्रीम कोर्ट के विचार क्षेत्र से बाहर रखने के लिए बनीलाया गया था। अगर मध्यप्रदेश में भी इसी परिपाटी को दोहराना है तो यहाँ भी आरक्षण की सीमा 50 से बढ़ाकर 63 फीसदी करने का प्रस्ताव संसद में लेकर संविधान संशोधन के जरिये इसे नवमीं अनुसूची शामिल कराना पड़ेगा, क्योंकि बाद के कुछ घटनाक्रमों के चलते यह किसी के लिए भी इतना आसान नहीं होगा। इसकी चर्चा अगले पार्ट में करेंगे। जारी...

### आतंकवाद पर किसी भी तरह का डबल स्टैंडर्ड बर्दाश्त नहीं

# चीन की धरती पर शाहबाज के सामने पाक को मोदी की लताड़

तियानजिन, एजेंसी

चीन के तियानजिन में चल रहे शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद पर कड़ा संदेश दिया। चीन की धरती पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की मौजूदगी में पीएम मोदी ने बिना नाम लिए पड़ोसी देश पाकिस्तान को खूब लताड़ा। मोदी ने कहा कि भारत की SCO को लेकर सोच तीन स्तंभों सिक्योरिटी, कनेक्टिविटी और अपॉर्च्युनिटी पर आधारित है।

उन्होंने आतंकवाद को पूरी मानवता के लिए सबसे बड़ी चुनौती बताया और जोर देकर कहा कि 'भारत लंबे समय से आतंकवाद का दंश झेल रहा है। पहलगाम में हमने इसका घिनौना रूप देखा है.' उन्होंने साफ कहा कि कुछ देश खुलेआम आतंकवाद का समर्थन करते हैं, लेकिन इसे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। पीएम मोदी ने चेताया कि आतंकवाद पर किसी भी तरह का डबल स्टैंडर्ड बर्दाश्त नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने SCO देशों से अपील की कि वे आतंकवाद के हर रंग और रूप का एक स्वर में विरोध करें। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि भारत ने हमेशा आतंकवाद की फंडिंग और इसके नेटवर्क के खिलाफ दुनिया का ध्यान खींचा है और इस लड़ाई में अंतरराष्ट्रीय एकजुटता पर जोर दिया है। मोदी ने अपने संबोधन में कहा, 'जो मित्र देश इस कठिन समय में भारत के साथ खड़े रहे, मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। लेकिन हमें यह समझना होगा कि आतंकवाद के खिलाफ विरोध सिर्फ राजनीतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारा नैतिक दायित्व भी है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'सुरक्षा, शांति और स्थिरता किसी भी देश के विकास का आधार हैं. लेकिन आतंकवाद, अलगाववाद और अतिवाद बड़ी चुनौतियां हैं। आतंकवाद केवल किसी किसी देश की सुरक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक साझा चुनौती है।

### भारत-रूस रिश्ता राजनीति नहीं विश्वास का: मोदी

चीन में एससीओ की मीटिंग के बाद भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी हुई, जिसमें दोनों देशों ने एक-दूसरे के साथ ऐतिहासिक संबंधों का हवाला देते हुए कहा कि दोनों के बीच बहुमुखी सहयोग रहा है। पीएम मोदी ने इस मीटिंग में रूस के साथ भारत के रिश्तों के बारे में बात करते हुए कहा कि रूसी राष्ट्रपति से मुलाकात हमेशा यादगार होती है। उन्होंने कहा कि भारत उनका इंतजार कर रहा है। दिसंबर में पुतिन की भारत यात्रा होने वाली है। भारत और रूस के बीच सहयोग समृद्धि के रास्ते पर हमेशा आगे बढ़ते हैं। उन्होंने रूस को भारत के गाढ़े वक्त का साथी कहा। पुतिन ने अपनी बात शुरू की तो पहले ही उन्होंने कहा कि भारत और रूस के बीच का रिश्ता किसी राजनीतिक ग्राउंड पर नहीं बल्कि विश्वास का है। उन्होंने दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि वे इसे और आगे ले जाने के लिए उत्सुक हैं। उनकी ओर से दिया गया बयान ये बताने के लिए काफी है कि अमेरिका के टैरिफ कार्ड के बाद भी दोनों देश एक-दूसरे के करीबी सहयोगी बने हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पुतिन के सहमति जताते हुए कहा कि भारत और पुतिन के रिश्ते सिर्फ अच्छे नहीं बुरे वक्तों के भी हैं। उन्होंने दिसंबर में होने वाली भारत-रूस शिखर वार्ता का जिक्र करते हुए कहा कि 140 करोड़ भारतवासी उनका इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने यहां यूक्रेन के संघर्ष को लेकर भी पीएम मोदी ने बात की और कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि सभी पक्ष आगे बढ़ेंगे और शांति की ओर बढ़ने के हर कदम पर हम आपके साथ हैं।

### अमेरिका की धौंस को चुनौती, अपनी करेंसी में व्यापार पर जोर

डोनाल्ड ट्रंप का बड़बोलापन और भारत सहित दुनिया के शक्तिशाली देशों पर धौंस जमाने का रवैया अब भारी पड़ने वाला है। एससीओ में शामिल 10 देशों ने ट्रंप और अमेरिका को जवाब देने का प्लान बना लिया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तो एससीओ के मंच से डॉलर को खुली चुनौती तक डे डाली। उन्होंने बिना किसी लाग लपेट के दो टूक शब्दों में कहा कि संगठन में शामिल देश अपनी करेंसी में कारोबार को आगे बढ़ाने पर जोर देंगे। पुतिन ने एससीओ के मंच से अमेरिका को खुला चैलेंज देते हुए कहा कि एससीओ के लिए स्वतंत्र भुगतान तंत्र विकसित करने और सेटलमेंट का ढांचा तैयार करने में रूस पूरी मदद करेगा। उन्होंने कहा कि हमें आपसी ट्रेड के लिए अपनी राष्ट्रीय करेंसी का इस्तेमाल करना चाहिए। एससीओ के सभी सदस्य देश अपनी करेंसी में भुगतान और सेटलमेंट कर सकते हैं। रूसी राष्ट्रपति के इस बयान से निश्चित तौर पर ट्रंप तिलमिलाने वाले है, क्योंकि पिछले दिनों ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने डॉलर को कमजोर करने पर टैरिफ लगाने की खुली धमकी दी थी। अब जबकि उन्होंने भारत सहित ज्यादातर देशों पर टैरिफ लगा दिया है तो यह डर खत्म हो चुका है.

# 'समय भारत का है तो घड़ी भी भारत की ही होनी चाहिए'

भोपाल, एजेंसी

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज मुख्यमंत्री निवास में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी और इसके मोबाइल एप का लोकार्पण किया। यह घड़ी भारतीय पंचांग और कालगणना को आधुनिक तकनीक से जोड़ती है। इसे 189 से अधिक भाषाओं में देखा जा सकेगा। इस अद्वितीय घड़ी के माध्यम से समय के साथ-साथ पंचांग, तिथि, नक्षत्र, योग, वार, मास, व्रत और त्यौहारों की जानकारी भी उपलब्ध होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अब पश्चिम का समय बीत रहा है और पूर्व का समय आ गया है। समय भारत का है तो घड़ी भी भारत की ही होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सदियों से परंपरा सूर्योदय से तिथि की गणना से रही है। विक्रमादित्य वैदिक घड़ी भारतीय परंपरा, वैदिक गणना और वैज्ञानिक दृष्टि का अद्भुत संगम है। भारतवर्ष वह पावन भूमि है जिसने संपूर्ण ब्रह्माण्ड को अपने ज्ञान से आलोकित किया है। यह स्वदेशी जागरण की महत्वपूर्ण कोशिश है,

### मुख्यमंत्री ने किया विक्रमादित्य वैदिक घड़ी और इसके मोबाइल एप का लोकार्पण

जो भारत को विश्व मंच पर मजबूती प्रदान करेगी। यह भारत की सांस्कृतिक धुरी बनकर वैश्विक भाषाओं और परंपराओं, आस्थाओं व धार्मिक कार्यों को जोड़ने वाली कड़ी बनेगी। भारत दुनिया का एकमात्र देश है, जो पूरी मानवता को, विरासत, प्रकृति और तकनीक के संतुलन के साथ जीना सिखाता रहा है।

इससे पहले कॉलेज के छात्रों ने शौर्य स्मारक से बाइक रैली निकाली जो मुख्यमंत्री निवास तक पहुंची। मुख्यमंत्री निवास पर युवा संसद का आयोजन भी किया गया। वैदिक घड़ी के लोकार्पण कार्यक्रम में भोपाल सांसद आलोक शर्मा, मंत्री विश्वास सारंग, कृष्णा गौर भी उपस्थित थीं।

## अफगानिस्तान में भूकंप, 500 से अधिक लोगों की मौत

**काबुल, एजेंसी।** अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांतों में रविवार देर रात आए भीषण भूकंप ने तबाही मचा दी है। इस प्राकृतिक आपदा में कम से कम 500 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 1000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, भूकंप का केंद्र कुनर प्रांत के हिंदू कुश क्षेत्र में था, जिसने नूरगल, सूकी, वतपुर, मानोगी और चपे-दरे जैसे दूरदराज के इलाकों को बुरी तरह प्रभावित किया है। स्थानीय अधिकारियों ने आशंका जताई कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

**मेट्रो एंकर** | भोपाल-इंदौर के साथ ही कई राज्यों में लग चुकी है पेंटिंग एग्जीबिशन

# खुद की पहचान पर सवाल उठा तो मिली पैशन फॉलो करने की राह, उज्जैन की राधिका ने पेंटिंग में कमाया नाम और पैसा

उज्जैन /भोपाल, एजेंसी

सहेली के तानों ने उज्जैन की राधिका की ज़िन्दगी ही बदलकर रख दी और उन्होंने दिखा दिया कि अगर अपने पैशन को फॉलो किया जाए तो जिन्दगी में क्या कुछ नहीं हो सकता। शादी के बाद सिर्फ घर के कामों तक ही खुद को सीमित रखने वाली राधिका ने आज पेंटिंग में न सिर्फ नाम कमाया है बल्कि अच्छी खासी कमाई भी कर रही हैं। नर्मदापुरम की राधिका की शादी 2008 में उज्जैन में हुई थी। परिवार में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं थी। पति मनीष पांडेय शहर के जाने-माने कथावाचक और पुजारी थे, लिहाजा राधिका ने अपना पूरा ध्यान परिवार संभालने में लगा दिया। उन्हें एक बेटा हुआ, जिसकी परवरिश करते-करते कब पांच साल बीत गए पता ही नहीं चला। बैंक में क्लर्क की नौकरी करने वाली उनकी बेस्ट फ्रेंड प्रियंका अक्सर राधिका से मिलने आया करती थीं। दोनों के बीच इस बात को लेकर लंबी चर्चा होती कि दोनों में से किसकी लाइफ ज्यादा बेहतर है। प्रियंका तर्क देती कि वह खुद कमाती है और अपने बच्चों के कई खर्चे खुद उठाती हैं। इस पर राधिका प्राइवेट जॉब में वर्क प्रेशर के साथ-साथ बॉस के तानों का हवाला देतीं। साल 2013 में एक दिन इसी मुद्दे को लेकर राधिका और प्रियंका के बीच घंटों तक वाद-विवाद चला। जाते-जाते प्रियंका ने राधिका से कहा कि उन्हें बॉस के ताने जरूर सुनने पड़ते हैं, लेकिन कम से कम उसकी कोई पहचान तो है। राधिका के पास खुद की पहचान के नाम पर क्या है?

### बच्चे के कलर से की पेंटिंग बनाने की शुरुआत

प्रियंका तो यह कहकर अपने घर चली गई, लेकिन उसकी ये लाइन कि राधिका की खुद की पहचान क्या है उनके दिमाग में बैठ गई। उस रात राधिका ठीक से सो भी नहीं पाई, उसकी बात उनके कानों में गूंजती रही। अगले दिन इस बात से ध्यान हटाने के लिए राधिका ने बच्चे के कलर लेकर पेंटिंग करनी शुरू की।

### साल दर साल कला में हो रहा इंप्रूवमेंट

अपने गुरु की तारीफ करते हुए राधिका बताती हैं कि उनके गुरु प्रमोद आरवी ने उन्हें काफी प्रमोट किया। भोपाल-इंदौर के साथ ही कई राज्यों में उनकी पेंटिंग एग्जीबिशन लग चुकी है। राधिका बताती हैं कि सबसे छोटी (करीब दो फिट की) ऑयल पेंटिंग्स बनाने का वह तीन हजार रुपए चार्ज करती हैं। वहीं, बड़ी पेंटिंग्स 10 लेकर 15 हजार रुपए में बनती हैं। आज राधिका अपने इसी पैशन को फॉलो करके साल में पांच से छह लाख रुपये कमा लेती हैं।

## वोटर अधिकार सभा से पहले पटना में राहुल गांधी का रोड शो

**पटना, एजेंसी।** लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा का आज पटना में समापन होगा। सभा के पूर्व पटना में राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन के दिग्गज नेताओं का रोड शो निकला। इसमें राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, भाकपा महासचिव डी राजा, टीएमसी नेता यूसुफ पठान सहित कई नेता शामिल हुए। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी और महागठबंधन के अन्य नेता भी कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। सभी बड़े नेता खुले वैन में सवार होकर गांधी मैदान स्थित गांधी प्रतिमा से लेकर हाईकोर्ट स्थित अंबेडकर प्रतिमा तक पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ता हाथ में झंडा लेकर फहराते दिखे। वोटर अधिकार यात्रा के अंतिम दिन राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की जुगलबंदी दिखाई दी। रोड शो में वे राहुल के साथ खुली जीप में गांधी मैदान तक चले।

### रिक्त सीटों की जानकारी विद्यार्थी के लॉगिन एवं महाविद्यालय के लॉगिन पर प्रदर्शित होंगी

# आज से यूजी-पीजी के लिए विशेष सीएलसी चरण शुरू, 6 सितं. तक जारी रहेगी प्रक्रिया

भोपाल, दोहपर मेट्रो

उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत शासकीय/अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में, शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए, स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर 1 से 6 सितंबर तक विशेष सीएलसी चरण होगा। स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए, यह प्रवेश का अंतिम चरण है। आयुक्त उच्च शिक्षा प्रबल सिपाहा ने बताया कि समस्त प्रवेश पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर प्रदान किए जायेंगे और यह सुविधा केवल रिक्त सीटों के लिए ही होगी। रिक्त सीटों की जानकारी विद्यार्थी के लॉगिन एवं महाविद्यालय के लॉगिन पर प्रदर्शित होंगी। पंजीकृत विद्यार्थी सम्बंधित महाविद्यालय में सीधे प्रवेश शुल्क जमा करके प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। मेजर, माइनर के अतिरिक्त अन्य विषय में प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की पात्रता, विश्वविद्यालय अपने स्तर पर निर्धारित कर सकेंगे। समस्त सम्बंधित प्राचार्यों को विश्वविद्यालय से समन्वय कर इनके पात्रता निर्धारण की कार्यवाही करनी होगी। यह प्रक्रिया 1 से 6 सितंबर तक ही होगी। उक्त प्रक्रिया के अंतर्गत 6 सितंबर को शाम 5 बजे तक प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश प्राप्त किया जा सकता है। यह भी स्पष्ट किया गया है कि 6 सितंबर को निर्धारित समय के बाद किसी भी दशा में प्रवेश मान्य नहीं होंगे।

#### सीधे महाविद्यालय पहुंच कर प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे

विद्यार्थी जिस महाविद्यालय में प्रवेश चाहते हैं, वहां सीट रिक्त होने पर सीधे महाविद्यालय पहुँच कर प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। विद्यार्थी, प्रवेश के विषय में समस्त जानकारी अथवा अन्य किसी समस्या के लिए संबंधित महाविद्यालय के हैल्प सेंटर पर संपर्क कर सकते हैं। नवीन पंजीकृत विद्यार्थी, केवल एक महाविद्यालय में पंजीयन करा सकेंगे। विद्यार्थी सम्बंधित महाविद्यालय के हैल्प सेंटर पर वेरिफिकेशन के बाद, शुल्क जमा कर उसी दिन प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे।

## डीपीसी के लिए अब 21 सितंबर को होगी परीक्षा, अब तक सूची स्पष्ट नहीं

प्रदेश में लंबे से प्रभारी के भरोसे चल रहे जिला परियोजना समन्वयक के पदों पर प्रतिनियुक्ति को लेकर प्रक्रिया उलझती नजर आ रही है। राज्य शिक्षा केंद्र अब तक आवेदन की संख्या और सूची को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं कर सका है। इसी बीच अब एक बार फिर परीक्षा की तारीख बढ़ाकर 21 सितंबर कर दी गई है। पूर्व में परीक्षा की तिथि 20 अगस्त को आयोजित की गई थी। बता दें कि वर्तमान में भोपाल डीपीसी का पद खाली है। इसी तरह भोपाल समेत कई जिलों में डीपीसी के पद खाली है। अब इन पदों को भरने तथा भविष्य में खाली होने वाले पदों को लेकर राज्य शिक्षा केंद्र भर्ती परीक्षा आयोजित कर रहा है। जिला परियोजना समन्वयक के पद पर प्रतिनियुक्ति पर आने के इच्छुक स्कूल शिक्षा विभाग के प्राचार्य हाई स्कूल, व्याख्याता एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा संवर्ग के आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए थे, जिसके लिए 31 जुलाई अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी। जिला परियोजना समन्वयक के लिए आयु सीमा 1 जनवरी 2025 को 56 वर्ष तक निर्धारित की गई है। इन अभ्यर्थियों का बीएड होना अनिवार्य है। आयु सीमा 1 जनवरी 2025 को 56 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। जिला परियोजना समन्वयक के पद पर पदस्थापना मप्र के किसी भी जिले में की जा सकती है।

### 5600 सदस्यों ने डाला वोट, देर रात आए परिणाम

# श्री हिंउस अध्यक्ष बने चंद्रशेखर तिवारी, 397 वोट से जीते

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी की धार्मिक-सामाजिक संस्था श्री हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी 397 वोट से विजय हुए। उन्हें नारायण कुशवाहा ने कड़ी टक्कर दी है। परिणाम देर रात को घोषित किए गए। अध्यक्ष पद के चुनाव में रविवार को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक हुए मतदान में 5600 से अधिक आजीवन सदस्यों ने मतदान किया। गुफा मंदिर, लालघाटी स्थित मानस भवन परिसर दिनभर राजनीतिक हलचल और समर्थकों के नारों से गूंजता रहा। देर रात पूरी हुई मतगणना में चंद्रशेखर तिवारी ने 1679 मत पाकर निर्णायक बढ़त के साथ जीत दर्ज की। नारायण सिंह कुशवाह 1282 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। जबकि कैलाश बेगवानी को 1173, हेमंत कुशवाह को 886 और दीपेश श्रीवास्तव को 596 मत मिले।

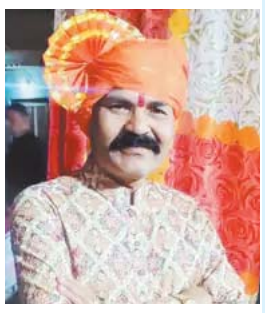

#### नारायण कुशवाह ने दी कांटे की टक्कर, जीत के बाद मनाया जश्न

#### मतदान में कड़ी व्यवस्थाएं

चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. पीसी कोठारी की देखरेख में कड़ी व्यवस्थाएं की गईं। मतदान के लिए सदस्यता कार्ड, आधार कार्ड अथवा फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र अनिवार्य रखा गया। इस बीच प्रत्याशी हेमंत कुशवाह की पत्नी का वोट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा डाले जाने को लेकर विवाद भी हुआ। मौके पर हेमंत समर्थकों ने हंगामा किया, लेकिन पुलिस और चुनाव समिति की समझाइश के बाद मामला शांत हो गया। बाद में समिति ने टेंडर वोट की व्यवस्था कराई। राजधानी में प्रतिष्ठित चुनाव को लेकर लंबे समय से उत्सुकता थी। मतदान में बड़ी संख्या में सदस्य पहुंचे और माहौल त्योहार जैसा रहा। देर रात आए नतीजों के बाद कहीं उत्साह तो कहीं निराशा देखने को मिली। विजयी चंद्रशेखर तिवारी के समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया।

## त्योहार की भीड़ कम करने अतिरिक्त फेरों में चलेंगी ट्रेनें

**भोपाल.** त्योहार को देखते यात्रियों की सुविधा और उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के लिए नया ट्रेन शेड्यूल जारी किया गया है। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि नियमित ट्रेनों को अतिरिक्त फेरों में चलाकर वेटिंग और नो रूम जैसे हालात से निपटने का प्रयास किया जा रहा है।

### यात्री ट्रेनों का टाइम टेबल

ट्रेन संख्या 09025 वलसाड-दानापुर स्पेशल 29 दिसंबर
ट्रेन संख्या 09026 दानापुर- वलसाड स्पेशल 30 दिसंबर
ट्रेन संख्या 09031 उधना-जयनगर स्पेशल 28 दिसंबर
ट्रेन संख्या 09032 जयनगर-उधना स्पेशल 29 दिसंबर
ट्रेन संख्या 09039 उधना-धनबाद स्पेशल 26 दिसंबर
ट्रेन संख्या 09040 धनबाद-उधना स्पेशल 28 दिसंबर
ट्रेन संख्या 09045 उधना-पटना स्पेशल 26 दिसंबर
ट्रेन संख्या 09046 पटना-उधना स्पेशल 27 दिसंबर
ट्रेन संख्या 09343 डॉ. अंबेडकर नगर-पटना स्पे.25 दिसं.
ट्रेन संख्या 09344 पटना-डॉ. अंबेडकर नगर स्पे. 26 दिसं.
ट्रेन संख्या 04156 उधना - सूबेदारगंज स्पेशल 30 दिसं.
ट्रेन संख्या 04155 सूबेदारगंज - उधना स्पेशल 29 दिसं.

## स्मार्ट मीटर से जनता परेशान, बढ़ रहे बिल

### विद्युत वितरण कंपनी कार्यालय का घेराव करने की दी चेतावनी

**भोपाल.** शहर में बिजली कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर लगाने के बाद लोगों का बिजली के बिल ज्यादा आ रहे है। गोंडीपुरा इलाके में स्मार्ट बिजली मीटर लगने के बाद आए बढ़े हुए बिल लेकर उपभोक्ताओं ने रोष जताया। मौके पर पहुंचे कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला को आक्रोशित लोगों की समस्याओं बताई और मौके पर बिजली के बिल देखकर उपभोक्ताओं से चर्चा की। लोगों ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद अचानक उनके बिल दो गुना तक बढ़ चुके हैं जिसकी सुनवाई किसी भी स्तर पर नहीं हो रही है। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने लोगों को आश्वस्त किया है कि वह जल्द ही इस मामले में बिजली कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा करेंगे। यदि समस्या का निराकरण नहीं हुआ तो विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक कार्यालय का घेराव भी किया जाएगा। महिलाओं की मुख्य शिकायत यह है की जब से ये स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं तब से पुराने मीटर के मुकाबले 50 प्रतिशत तक अधिक बिल आ रहे हैं जो कि बिजली विभाग मनमाने ढंग से वसूल कर रहा है। इस अवसर पर दीपक दीवान, बाबर खान, व्रजेन्द्र शुक्ला, अमित खत्री, संदीप सरवैया, प्रिंस नवांगे, तारिक अली, शानू खान आदि मौजूद थे।

## रामरति पटेल का निधन

**भोपाल।** भुवनेश पटेल, पूर्व विधायक देवकुमार पटेल एवं पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल की माताजी एवं पूर्व महापौर विभा पटेल की सास रामरति बाई पटेल का दुःखद निधन हो गया।

## अब रटने की प्रवृत्ति होगी खत्म

### राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रयोग

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्राइमरी क्लासेस में बच्चों को सिखाने के लिए राज्य शिक्षा केन्द्र डिवाइस और स्पेशल स्टडी मटेरियल का इस्तेमाल करेगा। इसमें जादुई पिटारा से लेकर चैटबॉट तक शामिल है। प्रदेश के 20 हजार स्कूलों में इसका उपयोग होगा। इसकी खरीदी के लिए राज्य शिक्षा केन्द्र ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में रटने की बजाय सीखने पर जोर दिया गया है। इसी के आधार पर एनसीईआरटी ने सिलेबस विकसित है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद इसकी शुरुआत हो रही है। यह बेहतर कदम है। अब तक परीक्षा पास करना ही पढ़ाई का मकसद होता है। लेकिन अब पढ़ाई परीक्षा पास करने के साथ प्रैक्टिकल नॉलेज भी देगी।

### लैशकार्ड, चार्ट और हैंडबुक

स्पेशल स्टडी मटेरियल में लैशकार्ड होंगे। इसमें चार्ट शामिल रहेंगे। उम्र के आधार पर इनमें पहेलियां हैं। तीन से 8 साल तक के बच्चों एनसीईआरटी ने जो मापदंड तय किए हैं उसके आधार पर तैयार

होना है। शिक्षकों की मदद के लिए डिजिटल वर्जन भी दिया है। मामले में राज्य शिक्षा केन्द्र के अधिकारियों ने यह प्रक्रिया में है। शिक्षा नीति के आधार पर प्राइमरी स्तर पर काम चल रहा है। डिटेल प्रक्रिया पूरी होने बाद ही बताई जा सकेगी।

## विघ्नहर्ता श्रीगणेश

राजधानी में गणेशोत्सव का रंग रोजाना जम रहा है। झांकियों की सजावट बढ़ रही है। श्रद्धालु भी पूजन दर्शन को निकल रहे हैं।

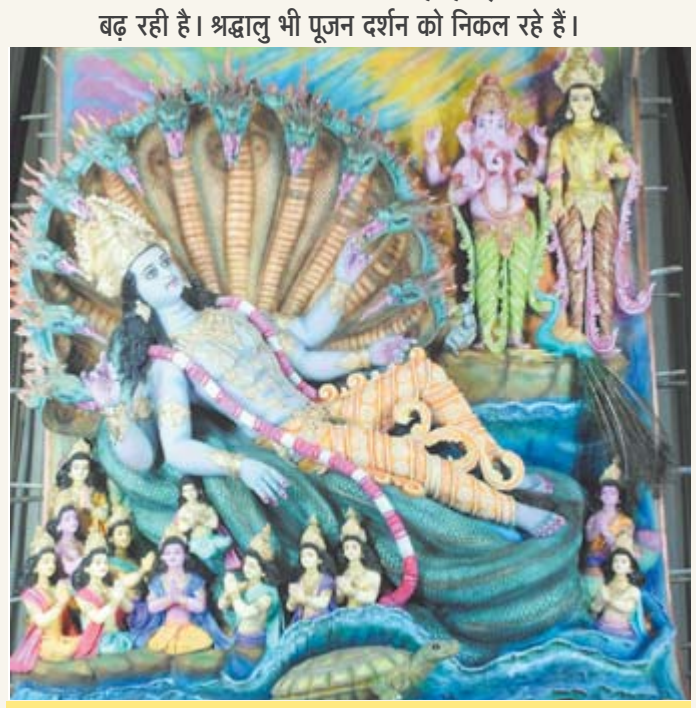

भोपाल के मारवाड़ी रोड गणेश की झांकी

भोपाल के घोड़ा निकक्स मार्केट श्रीगणेश की झांकी

भोपाल के आजाद मार्केट गणेश जी की झांकी

## भोपाल के राजा को लगाया महाभोग

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी के पीपल में विराजमान होने वाले भोपाल के राजा शहर के प्रथम गणेश है। शहर में सार्वजनिक रूप से गणेश उत्सव मनाने की परंपरा यहीं से शुरू हुई थी। इस बार गणेश उत्सव में भोपाल के राजा को 551 किलो छप्पन भोग और 251 किलो लड्डुओं का महाभोग लगाया गया। यह भोग शुद्ध देशी घी में मथुरा के कारीगरों द्वारा तैयार किया गया गया है।

### फल और लड्डू उत्सव

समिति की ओर से गणेश उत्सव के तहत हर साल परपरा अनुसार उत्सव मनाए जाते हैं। इसके तहत रविवार को भगवान को 551 किलो छप्पन भोग इसी प्रकार 1 सितंबर को फल उत्सव का आयोजन किया जाएगा। लड्डु उत्सव के तहत भगवान को भोग लगाया जाएगा।

**मेट्रो एंकर**

### भोपाल कंटेंट क्रिएटर्स समिट में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की घोषणा की

# अब मप्र में स्टेट क्रिएटर्स अवॉर्ड भी दिए जाएंगे

भोपाल, दोहपर मेट्रो

शहर में क्रिएटर्स समिट 2025 का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें देशभर से आए 1000 से अधिक डिजिटल क्रिएटर्स, ब्रांड्स और सांस्कृतिक दूतों ने शिरकत की। इस समिट ने न सिर्फ नेटवर्किंग और कोलैबोरेशन का मंच दिया, बल्कि 30 मिलियन से अधिक लोगों तक डिजिटल पहुंच बनाकर नए आयाम स्थापित किए। समिट की शुरुआत ऊर्जावान लाइव परफॉर्मेंस से हुई, जिसमें डांस, यूजिक और स्टैंडअप कॉमेडी ने दर्शकों को बांधे रखा। कार्यक्रम में कई विषयों पर मास्टरक्लास और वर्कशॉप्स आयोजित की गईं। नमन देशमुख ने एआई प्रॉप्ट ट्रेनिंग पर व्यायान दिया। मयंक तिवारी, संकेत जोशी और नीरज विश्वकर्मा ने फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी मास्टरक्लास ली। दामिनी त्रिपाठी ने मार्केटिंग और एनालिटिक्स की बारीकियां साझा कीं। जोई ने फिल्म मेकिंग और स्टोरीटेलिंग पर चर्चा की। रौनक आनंद ने आर्ट ऑफ गोइंग वायरल पर अपने अनुभव साझा किए। इसके अतिरिक्त क्रिएटर्स इकॉनमी एंड इकोसिस्टम विषय पर पैनल डिस्कशन हुआ, जिसमें तरुण कुमार केडिया, वंशदीप सिंह, उज्वल पाहवा,

रश्मि गोल्या, रौनक आनंद और सयक राखेचा ने अपने विचार रखे।

**पॉलिटिक्स को सरल शब्दों में समझाया:** सोशल इश्युज और पॉलिटिक्स जैसे गंभीर विषयों पर बात करने वाले कंटेंट क्रिएटर हैं तरूण केडिया। इनके इंस्टा पेज के 6 लाख 38 हजार फॉलोअर हैं। वे कहते हैं, पॉलिटिक्स ऐसा विषय है, जो सभी को इफेक्ट करता है, लेकिन इसकी समझ नहीं होती तो रुचि कम हो जाती है। इसी विचार के साथ मैंने सरल शब्दों में पॉलिटिक्स पर वीडियो बनाना शुरू किया। हर वीडियो के पहले मैं गहराई से रिसर्च करता हूं। नए क्रिएटर्स से यही कहूंगा कि अपने वीडियो की कमियां खुद पहचानें और हर वीडियो में कुछ बेहतर करें।

**क्रिएटर्स समानित:** शाम को क्रिएटर्स को विभिन्न अवॉर्ड से नवाजा गया। ये अवॉर्ड उन्हें मुय अतिथि के रूप में मौजूद मुयमंत्री डॉ. मोहन यादव के हाथों दिया गया। मौके पर मुयमंत्री ने आयोजकों के सवालों के जवाब भी दिए और घोषणा की कि जिस तरह नेशनल क्रिएटर्स अवॉर्ड की तरह स्टेट क्रिएटर्स अवॉर्ड जल्द दिए जाएंगे।

### एकदम रॉ कंटेंट बनाओ, दिल को छुए

आयुष साहू न्यूयॉर्क की कंपनी में सॉटवेयर डेवलपर हैं। वर्क फॉम होम करते हैं। इसके अलावा 8 दोस्तों के साथ भोपाली पॉइन्ट्स पेज संचालित करते हैं। वे इस फील्ड में आने वाले युवाओं को सुझाव देते हुए कहते हैं, कि पहले विषय देखो जिसमें आपको जाना है। इसके बाद देखो कि जो लोग उस विषय पर काम कर रहे हैं, उनके कंटेंट में गैप, कमी क्या है। बस उसी गैप को दूर करते हुए आपको काम करना है। सब्जेक्ट पर फोकस रहो। एकदम रॉ कंटेंट बनाओ।

### बेस्ट कॉलैबरेटिव क्रिएटर

वॉट्सअप भोपाल, कम्युनिटी चैपियन- अभिव्यक्ति, क्रिएटर्स बियॉन्ड एज- आर्यन ऑप्टीमाइजर, क्रिएटर फॉर सोशल इफैक्ट- कचरा कैफे, क्रिएटर्स ऑफ द ईयर- आदित्य क्रेजी, फास्टेस्ट ग्रोइंग इंलुएंसर- दामिनी क्रिएटर्स, **मोस्ट कंसिस्टेंट क्रिएटर**- प्रभात भोपाल, मोस्ट इंगेजिंग फीमेल क्रिएटर- सिमरन, मोस्ट इंगेजिंग मेल क्रिएटर- युवराज गौरव सक्सेना, मोस्ट इंलुएंशल फीमेल क्रिएटर- इंडियन फार्मर गर्ल, मोस्ट इंलुएंशल मेल क्रिएटर- आइडिया मैन, मोस्ट इनोवेटिव क्रिएटर- जस्ट टेक डॉट इंग्लिश, स्टोरीटेलर ऑफ द ईयर- यूसीनएमपी, ट्रेंड सेटर ऑफ द ईयर- शॉट बाय

### असंतुष्ठों को मनाने में जुटी मप्र भाजपा, बीएल संतोष के भोपाल पहुंचते ही एक्शन शुरू

# निगम मंडल अध्यक्षों पर चर्चा, चार जिलों में कार्यकारिणी का ऐलान

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष केभोपाल पहुंचने के बाद प्रदेश में लंबे समय से खाली निगम- मंडल अध्यक्षों के चयन को लेकर प्रक्रिया तेज होने के आसार हैं। संतोष ने करीब डेढ़ घंटे तक बंद कमरे में उन्होंने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा और प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह के साथ चर्चा की। समझा जा रहा है कि इस बैठक में असंतुष्टों को मनाने के लिए भी चर्चा हुई। इसके साथ ही जिलों की कार्यकारिणी का सिलसिला भी शुरू हो गया। सबसे पहले हरदा, सागर ग्रामीण, मऊगंज, देवास जिले से इसकी शुरुआत करते हुए नई टीम घोषित की गई है। जल्द ही अन्य जिलों और प्रदेश स्तर पर भी कार्यकारिणी और राजनीतिक नियुक्तियों की घोषणा की जाएगी।

## निगम-मंडलों में और संगठन में नियुक्तियों को लेकर चर्चा

हेमंत खंडेलवाल के बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बने 60 दिन हो चुके हैं, लेकिन, अब तक प्रदेश कार्यकारिणी घोषित नहीं हो पाई हैं। वे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की टीम के साथ ही काम कर रहे हैं। ऐसे में नई प्रदेश कार्यकारिणी और निगम-मंडल में नियुक्तियों को लेकर चर्चा की गई। बीएल संतोष सोमवार को भी भोपाल में रहेंगे। वे सीएम डॉ. मोहन यादव के अलावा बीजेपी के पदाधिकारियों और संघ पदाधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। वे संघ कार्यालय समिधा और प्रदेश बीजेपी ऑफिस भी जा सकते हैं।

## असंतुष्ट नेताओं से मिलेंगे संतोष

मप्र भाजपा के विधायकों, मंत्रियों में लगातार असंतोष बढ़ रहा है। प्रशासनिक अफसरों के खिलाफ नेताओं की नाराजगी के बाद वे केन्द्रीय नेतृत्व खासकर बीएल संतोष से मिलने का समय मांग रहे थे। ऐसे में बीएल संतोष ने भोपाल आने का कार्यक्रम बनाया। आज उन्होंने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संगठन महामंत्री और प्रदेश प्रभारी के साथ बैठक की है। सोमवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में विधायकों, पदाधिकारियों और जिन नेताओं ने मिलने का समय मांगा है, उनसे मुलाकात करेंगे।

**कलेक्टर पर हाथ उठाने का मामला**

## कुशवाह को आलाकमान से भी मिली फटकार

**भोपाल।** पिछले दिनों भिंड जिले के कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव को मारने के लिए हाथ उठाने वाले भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह पर केंद्रीय नेतृत्व ने भी नाराजगी जताई है। इससे पहले प्रदेश नेतृत्व उन्हें बुलाकर समझा चुका है लेकिन उनके तेवर नहीं बदले थे। इसके बाद इस मामले का संज्ञान केंद्रीय नेतृत्व ने लिया है।

**केंद्रीय नेतृत्व ने जताई नाराजगी-** भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष भोपाल पहुंचे। उन्होंने प्रदेश नेतृत्व के सामने विधायक कुशवाह की हरकत पर नाराजगी जताई। कहा कि पार्टी अनुशासन से चलती है, भाजपा विधायक का इस तरह का व्यवहार कतई स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने पार्टी लाइन से हटकर बयानबाजी करने वाले विधायकों को लेकर भी प्रदेश नेतृत्व के साथ चर्चा की।

**ये था पूरा मामला-** बता दें कि 27 अगस्त को खाद की समस्या को लेकर भिंड सीट से भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के आवास के बाहर धरना दिया था। कलेक्टर अपने आवास के गेट पर विधायक से मिलने आए तो दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई थी। इस दौरान विधायक ने घूंसा बांधकर कलेक्टर की ओर किया तो सुरक्षाकर्मियों ने बीच बचाव किया था। कलेक्टर यह कह रहे थे कि रेत चोरी नहीं करने देंगे। इसका एक वीडियो सोशळ मीडिया में वायरल हुआ था।

**युवाओं के लिए जरूरी खबर**

## मप्र में जीवित रोजगार पंजीयन रहेगा अनिवार्य, नहीं मिलेगी किसी को छूट

**भोपाल।** मध्यप्रदेश के युवाओं से जुड़ी एक बड़ी खबर आई है। दरअसल सरकार ने सरकारी भर्ती परीक्षाओं में जीवित रोजगार पंजीयन अनिवार्य कर दिया है। इसमें किसी को भी छूट नहीं मिलेगी। बताया जा रहा है कि मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता वाली वरिष्ठ सचिव समिति मौजूदा व्यवस्था में परिवर्तन के पक्ष में नहीं है। दरअसल, यह व्यवस्था इसलिए बनाकर रखी जा रही है, ताकि प्रदेश के युवाओं को सरकारी नौकरियों में अधिक से अधिक अवसर मिल सके। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 30 लाख से अधिक आकांक्षी (पंजीकृत बेरोजगार) युवा हैं।

पुलिस भर्ती में रोजगार पंजीयन की अनिवार्यता के कारण अन्य राज्यों के युवा अयोग्य हो गए थे। इन्होंने सरकार के नियम को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिस पर कोर्ट ने युवाओं को राहत देते हुए इस व्यवस्था को समान अवसर देने के अधिकार के विरुद्ध बताते हुए केवल प्रशासनिक औपचारिकता बताया था और कहा था कि इससे योग्यता का निर्धारण नहीं हो सकता है। हाईकोर्ट के इस आदेश को सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका लगाकर चुनौती दी थी, पर राहत नहीं मिली और व्यवस्था पर पुनर्विचार करने के निर्देश दिए गए। उधर, रोजगार पंजीयन की अनिवार्यता के मामले में निर्णय न होने के कारण भर्तियां अटक गई थीं। इसे देखते हुए सामान्य प्रशासन विभाग ने वरिष्ठ सचिव समिति के समक्ष पूरा प्रकरण रखा।

### युवाओं को मिलता है लाभ

सूत्रों के अनुसार, इसमें अन्य राज्यों के युवाओं की परीक्षाओं में भागीदारी से संबंधित डेटा प्रस्तुत किया गया, जिसमें यह बात सामने आई कि इस प्रविधान के कारण राज्य के युवाओं को अधिक अवसर प्राप्त होते हैं। अन्य राज्यों के युवा रोजगार पंजीयन कम कराते हैं, जिसका स्वभाविक लाभ प्रदेश के युवाओं को मिलता है। सभी पहलूओं पर विचार करने के बाद समिति इस निष्कर्ष पर पहुंची कि जीवित रोजगार पंजीयन की वर्तमान व्यवस्था को बनाकर रखा जाए। पुलिस भर्ती को लेकर इस संबंध में अलग से निर्णय लिया जाएगा, जो कोर्ट में विचाराधीन है।

# राइट ट्रैक पर रिश्ते

शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (SCO) शिखर बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच रविवार को हुई द्विपक्षीय बातचीत पर अगर दुनिया भर की नजरें टिकी थीं तो यह बेवजह नहीं था। इस सौहार्दपूर्ण बातचीत ने न केवल दोनों देशों के रिश्तों में बढ़ते सामंजस्य की प्रक्रिया को मजबूती दी है बल्कि कई तरह की अनिश्चितताओं के बीच ग्लोबल इकॉनमी के लिए भी नई संभावनाएं पैदा की हैं।

अहम मुलाकात: 2020 में हुई गलवान घाटी की झड़प के बाद यह पीएम मोदी का पहला चीन दौरा है। जाहिर है, दोनों देशों के रिश्तों के मद्देनजर यह सवाल महत्वपूर्ण था कि इस बैठक में दोनों शीर्ष नेताओं के बीच बनी सहमति कितनी दूर तक जाती है। लेकिन इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ घोषणाओं से जो असामान्य हालात पैदा हुए हैं, उसने दोनों नेताओं की बातचीत की अहमियत को और बढ़ा दिया।

सामरिक स्वायत्तता-ऐसे माहौल में हुई मोदी और शी की इस बातचीत ने कई स्तरों पर पॉजिटिव संकेत दिए हैं। खासकर पीएम मोदी का यह कहना अर्थपूर्ण है कि भारत और चीन दोनों ही देश सामरिक स्वायत्तता रखते हैं और इनके आपसी रिश्तों को किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। ध्यान रहे, ट्रंप ने भारत पर जो 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, उसके लिए एक तीसरे देश रूस के साथ भारत के रिश्तों को ही आधार बनाया गया है। इस बयान के जरिए पीएम मोदी ने यह परोक्ष संकेत दिया है कि सामरिक स्वायत्तता का सम्मान करते हुए ही द्विपक्षीय रिश्ते फल-फूल सकते हैं।

क्रमिक सुधार: इन सबके बावजूद यह मानना गलत होगा कि अमेरिका से टैरिफ के सवाल पर तनाव बढ़ने के कारण भारत और चीन करीब आ रहे हैं। सच यही है कि गलवान झड़प के रूप में आई एक बड़ी अड़चन के बाद भी दोनों देशों ने बातचीत के जरिए गलतफहमियां और मतभेद दूर करने की कोशिश नहीं छोड़ी। इस निरंतर प्रयास का ही नतीजा है कि धीरे-धीरे मतभेद कम होते रहे और पिछले साल सीमा पर दोनों देशों की सेनाओं के डिसइंगेजमेंट को लेकर भी सहमति बन गई। रविवार की बैठक में दोनों नेताओं ने इस पर संतोष जाहिर किया कि पिछले साल कजान में हुई शिखर बैठक के बाद से रिश्तों में लगातार सुधार जारी रहा।

हाथी और ड्रैगन का नृत्य: यह शुभ संकेत है कि अब हाथी और ड्रैगन के साथ आने की संभावना रेखांकित की जाने लगी है। लेकिन उसके लिए अभी दोनों देशों को लंबी दूरी तय करनी होगी, बहुत सारे मतभेद और विवाद दूर करने होंगे। इसका अंदाजा दोनों पक्षों को है। तभी बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया है कि मतभेद झगड़े में तब्दील नहीं होने चाहिए।

## सुविचार

'ज़िद होनी चाहिए कुछ भी हासिल करने की वरना उम्मीद तो हर कोई लगाकर बैठा है।'

– अज्ञात

## निशाना

### घर में है बवाल !

– कृष्णेन्द्र राय

उथल पुथल है मचा ।
घर में है बवाल ।।
सिलसिला है जारी ।
जनता करे सवाल ।।
घटित जो स्वाभाविक ।
क्या इसमें कुछ चाल ?
दाल में कुछ काला ।
या काली ही दाल ?
है चुनावी बेला ।
घूम रहे हैं प्रश्न ।
है सचमुच तकलीफ ?
या पूरा ही जश्न ।।
लेता कोई मजे ।
दिखते कुछ गंभीर ।।
इधर उधर से लेकिन ।
चल रहे हैं तीर ।।

## आज का इतिहास

- 1666 - लंदन की भीषण आग की शुरुआत हुई, जिसने लंदन शहर के बड़े हिस्से को तबाह कर दिया।
- 1775 - पहले अमेरिकी युद्ध पोत 'हाना' का जनरल जॉर्ज वाशिंगटन ने जलावतरण किया गया।
- 1789 - अमेरिका में राजस्व विभाग बनाया गया।
- 1926 - इटली और यमन में हुए समझौते के तहत लाल सागर तट पर इटली का वर्चस्व कायम हुआ।
- 1930 - 'क्रेशचन मार्क' नामक विमान ने यूरोप से अमेरिका के लिए बिना कहीं रुके पहली बार उड़ान भरी।
- 1945 - जापान ने औपचारिक रूप से आत्मसमर्पण कर दिया, जिससे द्वितीय विश्व युद्ध का अंत हुआ।
- 1945- हो ची मिन्ही ने स्वतंत्र वियतनाम गणराज्य की स्थापना की।
- 1946 - जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में भारत की अंतरिम सरकार का गठन हुआ।
- 1956- हैदराबाद से सौ किलोमीटर दूर जडचेराला और महबूब नगर के बीच पुल ढहने से 125 लोगों की मौत।
- 1962 - सोवियत संघ ने क्यूबा को हथियार देने पर सहमति व्यक्त की।
- 1969 - अमेरिका के न्यूयॉर्क में पैसे निकालने वाली मशीन ऑटोमैटिक टैलर मशीन (ए.टी.एम.) को पहली बार दुनिया के सामने पेश किया गया।
- 1970 - कन्याकुमारी में विवेकानन्द स्मारक का उद्घाटन हुआ।
- 1990 - काला सागर में सोवियत यात्री जहाज के डूबने से 79 यात्री मारे गए।
- 1992 - अमेरिका और रूस अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण के लिए संयुक्त उपक्रम बनाने पर सहमत हुए।
- 1996 - मुस्लिम विद्रोहियों और फिलीपींस सरकार ने 26 वर्षों से जारी विद्रोह को समाप्त करने के समझौते पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए। इस दौरान एक लाख 20 हजार से अधिक लोग मारे गये थे।
- 1998 - भारत के पहले पायलट-रहित प्रशिक्षण विमान %निशांत% ने सफलतापूर्वक उड़ान भरी।
- 1998 - डरबन में 12वें गुट निरपेक्ष आंदोलन शिखर सम्मेलन का अफ्रीकी राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला द्वारा उद्घाटन।

# भारत-चीन संबंध: धोखे के इतिहास में सावधानी जरूरी

■ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत और चीन, एशिया की दो सबसे बड़ी शक्तियां, एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सात साल बाद चीन दौरा और राष्ट्रपति शी जिनपिंग से उनकी मुलाकात केवल शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन का हिस्सा भर नहीं है, बल्कि इसे बदलते वैश्विक समीकरणों और अमेरिका के साथ रिश्तों में आई खटास की पृष्ठभूमि में नई कूटनीतिक चाल के रूप में देखा जा रहा है। यह दिलचस्प है कि 2020 की गलवान घाटी झड़प के बाद राजनीतिक तनाव और चीनी सामानों के बहिष्कार की आवाजों के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ा है और इसका असंतुलन भारत को नुकसान पहुंचा रहा है।

**औपचारिकता नहीं, रणनीति की बिसात:** मोदी-जिनपिंग की यह मुलाकात सिर्फ एक औपचारिक संवाद नहीं, बल्कि भविष्य की रणनीतिक दिशा तय करने वाली कड़ी है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अमेरिका के टैरिफ वॉर और वैश्विक अर्थव्यवस्था में पैदा हुए भूचाल ने भारत और चीन को नजदीक आने पर मजबूर किया है लेकिन भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह इस करीबी में अपने हित साधे, न कि चीन को एकतरफा फायदा करने का अवसर दे। इतिहास बार-बार चेतावनी देता है कि चीन पर आंख मूंदकर भरोसा करना खतरनाक है।

**विश्वास की नींव और पहला धोखा:** स्वाधीनता के शुरुआती वर्षों में भारत और चीन के रिश्ते सहयोग की नींव पर खड़े हुए। पंडित नेहरू और माओ त्से तुंग के बीच संवाद ने हिंदी-चीनी भाई-भाई के नारे को जन्म दिया। लेकिन इस नारे की आड़ में चीन अपने सामरिक हित साध रहा था। 1950 में उसने तिब्बत पर कब्जा कर लिया और 1954 में पंचशील समझौते के बावजूद अक्साई चिन से होकर शिनजियांग-तिब्बत हाईवे (जी-219) का निर्माण कर डाला। भारत को इसका पता भी देर से चला। यह चीन की उस सोच का पहला प्रमाण था कि दोस्ती के साथ-साथ वह गुप्त रूप से भारत के खिलाफ भी तैयारी कर रहा है।

**दलाई लामा और रिश्तों की दरार:** 1959 में जब दलाई लामा को भारत ने शरण दी, तो चीन को यह बेहद नागवार गुजरा। चीन ने भारत को दुश्मन की निगाह से देखना शुरू कर दिया। सीमा विवाद गहराने लगे। भारत अब भी विश्वास की भाषा बोल रहा था, लेकिन चीन धीरे-धीरे युद्ध की ओर बढ़ रहा था। यही अविश्वास 1962 के युद्ध में बदल गया।

**1962 का युद्ध - भरोसे पर करारी चोट:** अक्टूबर 1962 में चीन ने अचानक भारत पर हमला कर दिया। भारत इस युद्ध के लिए तैयार नहीं था। परिणाम यह हुआ कि भारत को करारी हार झेलनी पड़ी और करीब 38,000 वर्ग किमी क्षेत्र (अक्साई चिन) पर चीन ने कब्जा कर लिया। हिन्दी-चीनी भाई-भाई का सपना टूट गया और यह साफ हो गया कि चीन पर भरोसा करना आत्मघाती है। यह भारत-चीन संबंधों का वह मोड़ था जिसने आगे की दशकों की दिशा तय कर दी।

**सीमाई संघर्षों की लंबी सूची:** 1962 के बाद भी चीन की आक्रामकता खत्म नहीं हुई। 1967 में सिक्किम के नाथू ला और चो ला में मुठभेड़ हुई, जिसमें भारत ने चीन को करारा जवाब दिया और उसे पीछे हटना पड़ा। 1987 में अरुणाचल प्रदेश के समडोरोंग चू विवाद ने हालात को युद्ध की कगार पर ला दिया, लेकिन भारत की दृढ़ता ने तनाव कम किया। 2013 में देपसांग, 2014 में चुमार और 2017 में डोकलाम में चीन ने फिर घुसपैठ की कोशिश की। डोकलाम में 73 दिन तक गतिरोध चला और भारत ने चीन की सड़क बनाने की कोशिश रोक दी। 2020 में गलवान घाटी में खूनी संघर्ष हुआ जिसमें भारत के 20 जवान बलिदान हुए और चीन को भी भारतीय जवानों के प्रतिउत्तर से भारत की तुलना में कई गुना नुकसान उठाना पड़ा। यह दशकों बाद सबसे बड़ा सैन्य टकराव था।

**व्यापार का बढ़ता असंतुलन:** राजनीतिक तनाव और सीमा विवादों के बावजूद भारत-चीन व्यापार लगातार बढ़ रहा है लेकिन इसका सबसे बड़ा नुकसान भारत को हो रहा है। चीन सस्ते औद्योगिक उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनें भारत को बेचता है, जबकि भारत से उसका आयात बहुत कम है। नतीजा यह है कि भारत को भारी व्यापार घाटा झेलना पड़ रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में 99.2 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 8,70,000 करोड़ रुपये) का रहा। यह घाटा भारतीय मैन्युफैक्चरिंग और ÷मेक इन इंडिया÷ अभियान के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

**अमेरिका, रूस और वैश्विक समीकरण:** आज वैश्विक राजनीति में अमेरिका का टैरिफ वॉर, रूस-यूक्रेन संघर्ष और बदलते गठबंधन सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। रूस लंबे समय से भारत-चीन-रूस (रिक) त्रिकोणीय सहयोग की बात करता रहा है। अमेरिका नहीं चाहता कि भारत और चीन मिलकर एशिया में एक नया आर्थिक और सामरिक ध्रुव बनाएं। लेकिन दूसरी ओर चीन-पाकिस्तान की दोस्ती भारत के लिए लगातार खतरा बनी हुई है। पाकिस्तान का 80 फीसदी सैन्य साजोसामान चीन से आता है और चीन का बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) पाकिस्तान के रास्ते होकर गुजरता है। ऐसे में भारत के लिए यह दोहरी चुनौती है। एक तरफ चीन से सहयोग और दूसरी तरफ चीन-पाकिस्तान गठजोड़ से खतरा।

**विशेषज्ञों की चेतावनी:** सेना के पूर्व अधिकारी लगातार चेताते हैं कि चीन पर कभी भरोसा नहीं किया जा सकता। गलवान के बाद भी हालात सामान्य नहीं हुए हैं। चीन लगातार अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता है और भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर सवाल खड़े करता है। वहीं औद्योगिक संगठनों का कहना है कि सस्ते चीनी सामान का आयात भारतीय मैन्युफैक्चरिंग के लिए खतरा है। लघु उद्योगों के नेता मानते हैं कि अगर भारत अपनी उत्पादन क्षमता और निर्यात नहीं बढ़ाएगा तो चीन पर निर्भरता उसे कमजोर बनाएगी।

**आर्थिक अंतर और भारत की चुनौतियां:** 1980 के दशक में भारत और चीन की अर्थव्यवस्था लगभग बराबर थी। लेकिन चीन ने औद्योगिक क्रांति और विदेशी निवेश की मदद से अपनी अर्थव्यवस्था को कई गुना बढ़ा लिया। आज वह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जबकि भारत उससे काफी पीछे है। दोनों की अर्थव्यवस्था में लगभग चार गुना का अंतर है। ऐसे में भारत के लिए जरूरी है कि वह अपनी मैन्युफैक्चरिंग, कृषि, आईटी और स्टार्टअप क्षेत्रों को मजबूत करे और आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति दे। तभी वह चीन के साथ बराबरी से खड़ा हो सकेगा।

**भविष्य की राह- अवसर और सावधानी:** भारत और चीन दोनों ही आज वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के बड़े खिलाड़ी हैं। उनकी आबादी और बाजार मिलकर दुनिया को बदल सकते हैं। लेकिन सीमाई विवाद, अविश्वास और चीन-पाकिस्तान गठजोड़ भारत के लिए हमेशा खतरा रहेंगे। भारत को चीन के साथ व्यापार और सहयोग बढ़ाना चाहिए, लेकिन हर कदम पर सावधानी के साथ। हर समझौते और हर आर्थिक कदम का गहन मूल्यांकन जरूरी है।

**भरोसे के बजाय सतर्कता:** अतः भारत-चीन रिश्तों का इतिहास यही सिखाता है कि चीन दोस्ती की आड़ में अपने हित साधता है। 1950 के दशक का भाई-भाई नारा 1962 में धोखे में बदल गया। उसके बाद भी चीन बार-बार सीमा विवाद और आर्थिक दबाव से भारत को असहज करता रहा। आज जब प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग फिर मिल रहे हैं, तो यह केवल औपचारिक मुलाकात नहीं बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाला क्षण है। भारत को चीन के साथ सहयोग करना चाहिए, लेकिन भरोसे के बजाय सतर्कता की नीति अपनाते हुए। आर्थिक आत्मनिर्भरता, मजबूत रक्षा क्षमता और संतुलित कूटनीति ही वह रास्ता है जो भारत को चीन के संभावित धोखे से बचा सकती है। अवसरों का लाभ उठाते हुए भी भारत को इतिहास के सबक कभी नहीं भूलने चाहिए।

**-साभार:** यह लेखक के अपने विचार हैं।

# शंखप्रक्षालन - पेट और आंतों की जल से शुद्धि

■ योग गुरु महेश अग्रवाल

योग गुरु महेश अग्रवाल ने पेट और आंतों की जल से शुद्धि के बारे में बताया कि मुख के द्वारा जल धीरे-धीरे गले तक पिया जाता है। पेट को हिलाने-डुलाने के बाद वह जल गुदा मार्ग से बाहर आता है। वारिसार धौति की यह विधि अत्यंत गोपनीय मानी गई है। यह शरीर को शुद्ध करती है। जो योगी इस क्रिया में पूर्णता प्राप्त करता है, वह दिव्य शरीर प्राप्त करता है। अर्थः Vari = जल Sara = तत्व Dhauti = धुलाई इसी कारण इसे वारिसार धौति कहा गया है। इसे शंख प्रक्षालन भी कहते हैं। यह अन्तर धौति की दूसरी क्रिया है। पहली क्रिया वत्सार धौति केवल पेट की सफाई करती है, जिसमें अनावश्यक वायु, श्लेष्मा और पाचक रस बाहर निकलते हैं। लेकिन वारिसार धौति का उद्देश्य मल को आंतों से बाहर निकालना है। इससे शरीर से विषैले तत्व बाहर निकल जाते हैं और पूरा तंत्र पुनर्जीवित हो जाता है। क्योंकि यह क्रिया मुख से गुदा तक सम्पूर्ण आहार नाल की शुद्धि करती है। आयुर्वेद में इसे कायाकल्प का भी अंग माना गया है, क्योंकि यह सम्पूर्ण शरीर का कायाकल्प करती है।

योग गुरु अग्रवाल ने पाचन तंत्र का संक्षिप्त परिचय बताया कि पाचन नली एक लंबी नली है जो मुख से गुदा तक फैली रहती है। इसमें अन्ननलिका, पेट, छोटी आंत और बड़ी आंत शामिल हैं। इसकी दीवारें मांसपेशियों की परतों से बनी होती हैं। जब आंतों की मांसपेशियां सिकुड़ती हैं, तो लहरनुमा गति होती है जिसे पेरिस्टालसिस कहते हैं। यही गति भोजन को गुदा की ओर धकेलती है। छोटी आंत लगभग छह मीटर लंबी होती है और पेट के भीतर कुंडलाकार रूप से सिमटी रहती है। इसकी आंतरिक दीवार पर छोटे-छोटे झिल्लीनुमा तह होते हैं, जिससे भोजन का पाचन और अवशोषण आसानी से होता है। लेकिन इन्हीं तहों में अधपचा भोजन या मल फंस कर सड़ सकता है। अधिकतर लोग कभी आंतों की सफाई नहीं करते। पर्याप्त पानी न पीने पर बड़ी आंत में मल जमा होकर कठोर हो जाता है और कब्ज उत्पन्न करता है। कठोर मल बाहर निकलते समय आंत की भीतरी परत को खरोंच सकता है, जिससे दर्द और रक्तस्राव तक हो सकता है। प्रतिदिन बहुत पानी पीने से भी आंतों की पूर्ण सफाई नहीं होती, क्योंकि पानी तो आंतों की दीवारों से अवशोषित होकर मूत्र के रूप में निकल जाता है। इस प्रकार आंतों के तहों में सड़ा हुआ मल फँसा रह जाता है, जो रोगों का कारण बनता है। शंखप्रक्षालन इस समस्या को दूर करता है।

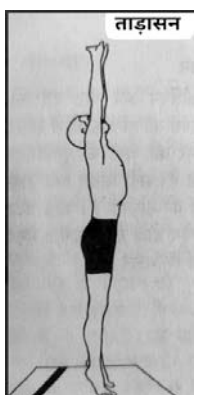

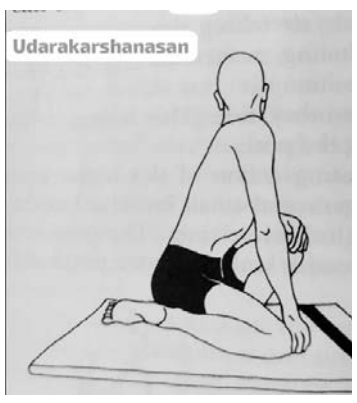


तैयारी (Preparation) - अभ्यास से एक दिन पूर्व रात को हल्का भोजन करें - फल या खिचड़ी। अभ्यास के दिन सुबह न कुछ खाएं न पिएं और न आसन करें। ढीले व आरामदायक वस्त्र पहनें। एक बाल्टी गुनगुना जल तैयार करें। प्रति लीटर में लगभग 2 चम्मच नमक डालें। नमक स्वच्छ न हो तो कपड़े से छान लें।

**स्थान:** आंगन, बरामदा या बगीचा उत्तम है। पास में शौचालय अवश्य होना चाहिए। तकनीक (Technique) - दो गिलास गुनगुना नमकीन पानी शीघ्रता से पिएं। धीरे-धीरे घूंट-घूंट नहीं। इसके बाद पाँच आसन क्रमशः 8-8 बार करें - ताड़ासन, तिर्यक ताड़ासन, कटिचक्रासन, तिर्यक भुजंगासन, उदराकर्षणासन - यह एक चरण (राउंड) हुआ। इसके बाद फिर दो गिलास जल पीकर वही क्रम दोहराएँ। तीसरी बार भी दोहराएँ और फिर शौचालय जाएँ। पहले सामान्य मल निकलेगा, फिर द्रव रूप में अपशिष्ट निकलेगा। बाद में पीला जल निकलेगा जिससे पित्त बाहर होता है। अन्त में साफ़ जल आने लगे तो समझें क्रिया पूरी हुई। सामान्यतः 16-20 गिलास पानी पर्याप्त होता है।

पाँच आसन और उनके लाभ - 1. ताड़ासन - पूरे शरीर को ऊपर खींचते हुए एड़ी उठाना। लाभः पेट व बृहदान्त्र पर प्रभाव, पाइलोरिक वाल्व खुलता है, जिससे पानी छोटी आंत में प्रवेश करता है। 2. तिर्यक ताड़ासन - शरीर को दाएँ-बाएँ झुकाना। लाभः आंतों पर दबाव पड़ता है, जमे हुए मल कण ढीले होते हैं। 3. कटिचक्रासन - कमर से दाएँ-बाएँ घूमना। लाभः पेट व छोटी आंत की मालिश होती है, जिससे जल आगे बढ़ता है। 4. तिर्यक भुजंगासन - भुजंगासन में रहते हुए दाएँ-बाएँ सिर मोड़ना। लाभः इलियोसीकल वाल्व खुलता है, जिससे जल बड़ी आंत में पहुँचता है। 5. उदराकर्षणासन - बैठकर एक घुटना मोड़कर दबाव देना। लाभः सिग्मॉयड कोलन व मलाशय की सफाई, शौच की तीव्रता बढ़ती है।

अभ्यास संबंधी अन्य बातें - जल हमेशा गुनगुना और नमकीन होना चाहिए। क्रिया के बाद कुंजल क्रिया (वमन धौति) और जल नेति करना आवश्यक है। अन्त में 45 मिनट शवासन में विश्राम करना अनिवार्य है। विशेष आहार - 45 मिनट विश्राम के बाद विशेष खिचड़ी खानी चाहिए। चावल + मूंग दाल + घी (अच्छी मात्रा में) हल्दी डाली जा सकती है, पर नमक नहीं। यह आंतों पर नई परत चढ़ाता है और पाचन शक्ति को पुनः सक्रिय करता है। उसी दिन शाम को फिर यही खिचड़ी लेनी चाहिए।

**आहार-विहार संबंधी सावधानियां** - एक सप्ताह तक मिर्च, मसाले, तैलीय, अम्लीय व उत्तेजक भोजन, दूध-दही, चाय-कॉफी, तंबाकू, शराब आदि वर्जित हैं। केवल हल्का, सात्विक, सुपाच्य भोजन करें। मांसाहार चालीस दिन तक वर्जित है। भारी दवाइयाँ और नशीले पदार्थ भी नहीं लेने चाहिए।

**निषेध (Contra-indications)** - हृदय, गुर्दे, उच्च रक्तचाप, मिर्गी, अल्सर, हर्निया या बवासीर वाले, गर्भवती स्त्रियाँ इस क्रिया को न करें।

**लाभ** - सम्पूर्ण पाचन तंत्र शुद्ध होता है। शरीर रोगमुक्त, हल्का, तेजस्वी व दिव्य बनता है। कब्ज़, अम्लता और अनेक पाचन विकारों का नाश होता है। कायाकल्प की दृष्टि से यह श्रेष्ठ शुद्धिकर्म है।

**लघु शंखप्रक्षालन** - दुःसाध्य कब्ज को दूर करने हेतु यह सर्वाधिक प्रभावशाली क्रिया है। यथा नाम तथा गुण, यह क्रिया शंखप्रक्षालन का संक्षिप्तीकरण हे। इसे प्रतिदिन किया जा सकता है। और इसका परिणाम धीरे एवं क्रमिक रूप से मन वं शरीर की शुद्धि तथा शक्ति की वृद्धि के रूप में सामने आता है। यदि आप लघु शंखप्रक्षालन करना चाहते हैं तो प्रातः सोकर उठने के प्रश्चात् सर्वप्रथम खाली पेट इस क्रिया को पूरा करें। इसमें पूर्ण शंखप्रक्षालन की तरह ही नमकीन एवं कुनकुने जल का प्रयोग करते हैं। दो गिलास जल पीकर पहले की तरह ही पाँचों आसनों का अभ्यास करें। इसे दो बार दुहरायें। कुल 6 गिलास जल पीने के पश्चात् आप शौच को जायें। प्रायः इसके बाद शौच साफ होता है तथा पेशाब भी खूब आता है। इसके प्रश्चात् आधा घण्टा रूककर ही कुछ खा सकते हैं भोजन सम्बन्धी कोई वर्जना नहीं इसे उपचार के रूप में प्रतिदिन किया जा सकता है।

**शंख प्रक्षालन** - अपचन के निदान हेतु शंखप्रक्षालन के बिना योग-चिकित्सा पूर्ण नहीं होती। यह योग की सर्वाधिक पूर्ण एवं शक्तिशाली शुद्धिकरण प्रक्रिया है। साधारण उपवास द्वारा जो परिणाम हफ्तों तथा महीनों बाद सामने आते हैं, उनका अनुभव इस क्रिया के 3-4 घण्टे बाद ही होने लगता है। यद्यपि इसका गहन प्रभाव शारीरिक स्तर पर ही दिखलायी पड़ता है, परन्तु यह क्रिया मन और प्राण पर भी उत्साहजनक प्रभाव डालती है। इसके दो प्रकार हैं- पूर्णशंखप्रक्षालन - इसका अभ्यास वर्ष में एक या दो बार किया जाना चाहिए। इसकी सम्पूर्ण प्रक्रिया लगभग 2 घण्टों में पूरी होती है। लघु शंखप्रक्षालन आवश्यक होने पर प्रतिदिन प्रातः इस क्रिया को किया जा सकता है। इस क्रिया को पूरा करने में करीब 15 से 30 मिनट का समय लगता है।

**साभार:** यह लेखक के अपने विचार हैं।

नगरपालिका करा रही जीर्णोद्धार

## जयस्तंभ की बदलेगी तस्वीर...

**नर्मदापुरम।** नगर के बीचों-बीच स्थित जयस्तंभ चौका का नगरपालिका द्वारा जीर्णोद्धार किया जा रहा है। जयस्तंभ के नवनिर्माण की मांग वर्षों से स्थानीय नागरिकों द्वारा की जा रही थी। इस कार्य की व्यापारियों ने प्रशंसा की है। नगरपालिका के उपयंत्री अंबक पाराशर ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव के निर्देश पर जयस्तंभ का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। पाराशर ने बताया कि एक लाख रुपए की राशि जयस्तंभ का जीर्णोद्धार होगा, जिसमें मार्बल भी लगाए जाएंगे। जीर्णोद्धार के बाद सड़क चौड़ी भी हो जाएगी, जिससे यातायात सुगम होगा। धार्मिक आयोजन के दौरान इस मार्ग पर यातायात का दबाव अत्यधिक हो जाता था, जिससे यातायात अव्यस्थित हो जाती थी। व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष महेंद्र चौकसे ने जयस्तंभ के जीर्णोद्धार कार्य पर कहा कि यह बहुत अच्छा कार्य हो रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी पर अशोभयनीय टिप्पणी को लेकर महिला मोर्चा ने किया विरोध

# कांग्रेस कार्यालय के सामने भाजपा का मौन धरना

## महिलाओं ने राहुल गांधी के पुतले का किया दहन

**सागर। दोपहर मेट्रो**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी दिवंगत मां पर कांग्रेस नेताओं द्वारा की गई अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने तीन बत्ती स्थित कॉग्रेस कार्यालय के सामने मौन धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन में महिला कार्यकर्ता हाथों में कांग्रेस और उनके नेताओं के विरोध में लिखे नारों की तख्तियां लेकर आक्रोश के साथ शामिल हुईं। जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने बताया कि राहुल गांधी माफी मांगों-कांग्रेस पार्टी माफ़ी मांगों के नारे लगाते हुए कटरा बाजार में जुलूस निकाल कर राहुल गांधी और कांग्रेस का पार्टी अलग-अलग पुतला जलाया गया।

भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने कहा की महिलाओं के लिए अपमानजनक अभद्र भाषा का प्रयोग कांग्रेस नेताओं की आदत बन चुकी है, जिसके विरोध में हम सभी मातृ शक्ति के साथ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। भगवान महावीर और भगवान बौद्ध की पवित्र भूमि बिहार से राहुल गांधी कि उपस्थिति में प्रधानमंत्री की स्वर्गीय मां के बारे में अपमान जनक शब्दों का प्रयोग कर उन्हें अपमानित करने करने कुप्रयास किया, उसका जवाब उन्हें बिहार की जनता बिहार के आगामी चुनाव में देगी। यह भारतीय लोकतंत्र को शर्मसार करने वाला विषय है। सिंह ने कहा कि हम सभी निरन्तर देख रहे हैं कि राहुल गांधी द्वारा लगातार प्रधानमंत्री के बारे में अपमान जनक शब्दों का प्रयोग किया जाता है। नफरत की आग में जलने वाले कांग्रेस और उसके सहयोगी दल के नेता अब राजनीतिक मर्यादा एवं संस्कारों को छोड़कर असभ्यता का सहारा लेने लगे हैं। प्रदेशमंत्री प्रभुदयाल पटेल ने आपत्तिजनक बयान की निंदा करते हुए कांग्रेस की ओछी मानसिकता बताया। हीरा सिंह राजपूत ने कहा भारत में जिस तरह भगवान राम की मां कौशल्या भगवान कृष्ण की मां यशोदा और देवकी का सम्मान है, उसी तरह वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीरावेन के प्रति देशवासियों का सम्मान है। इस मौके पर महिला मोर्चा की सुषमा यादव, निवेदिता रत्नाकर,सविता साहू, मेघा दुबे, प्रतिभा चौबे, तृप्ति सिंह,नेहा जैन,नीलम अहीरवार, शारदा कोरी, अनिताअहिरवार, सोनिया तिवारी, मोनिका प्रजापति, मीरा चौबे, सुनीता रैकवार, आकृति जड़िया, पूनम पटेल, राजकुमारी पटेल एवं भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के साथ मातृशक्ति व आमजन शामिल हुए।

### जब तक माफी नहीं मांगेंगे तब तक जारी रहेगा विरोध

महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष संध्या भार्गव ने कहा कि जब तक कांग्रेस पार्टी और इनके नेता देश की महिलाओं से माफी नहीं मांगते, तब तक हम निरंतर विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। महापौर संगीता तिवारी, पार्षद रानी पराग बजाज यकृति जड़िया सहित अन्य महिला नेत्रियों ने कांग्रेस नेता के बयान की निंदा की। विरोध प्रदर्शन में प्रदर्शन में भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी, पूर्व गृहमंत्री विधायक भूपेन्द्र सिंह, शैलेन्द्र कुमार जैन, प्रदीप लारिया, प्रदेश प्रभुदयाल पटेल, महापौर संगीता तिवारी, जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष संध्या भार्गव, नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, जिला पदाधिकारी जनप्रतिनिधि, मंडल, मोर्चा, प्रकोष्ठ के पदाधिकारी कार्यकर्ता शामिल रहे।

## कथा वाचक पं. मिश्रा का जर्जर मकान जमींदोज

**सीहोर।** कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का मकान जमींदोज हो गया है। सीहोर में यह घटना हुई। पंडित प्रदीप मिश्रा के मकान का एक हिस्सा भरभराकर ढह गया। हालांकि इस इमारत में कोई रहता नहीं था, इसलिए कोई जनहानि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि दो माह पहले ही नगर पालिका द्वारा इस मकान को जर्जर बताते हुए खाली करा लिया गया था। इस जर्जर भवन का एक हिस्सा धराशायी हो गया। शहर के नमक चौराहा इलाके में उनका एक पुराना मकान है। यह मकान खाली पड़ा था। मकान का एक हिस्सा पूरी तरह जमींदोज हो गया। सीहोर के कलेक्टर बालगुरु ने बारिश के पहले जिलेभर के जिन जर्जर भवनों की पहचान कर मालिकों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए थे, उनमें पंडित प्रदीप मिश्रा का यह मकान भी था। नगर पालिका के अतिक्रमण प्रभारी तिलक खाती के अनुसार नोटिस देकर पंडित मिश्रा के मकान को खाली करा लिया गया था।

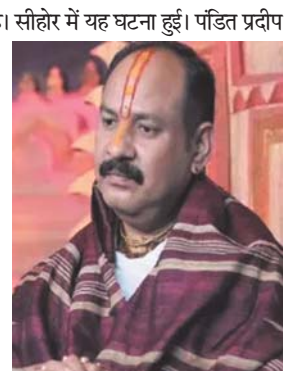

## सात दिन बाद काम पर एसटीआर के हाथी

### गुड़, गन्ना, केला और रोटी की उड़ाई दावत..

**नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो**

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर)में एक सप्ताह के बाद हाथी वापस काम पर लौट आए है सात दिन अवकाश के दौरान हाथियों ने कोई काम नहीं किया। हाथियों की छुट्टी 30अगस्त को समाप्त हो गई हैं। एक सप्ताह तक हाथियों ने आराम फरमाया। इस दौरान रोज खाने-पीने और नहलाने के साथ इनकी मालिश की गई। सभी 7 हाथियों को अपना पसंदीदा भोजन गुड़, गन्ना, केला व रोटी की दावत भी गई। दरअसल टाइगर रिजर्व के मढ़ई के खरेर में सात दिन का 24 से 30 अगस्त तक पुनर्यौवनीकरण शिविर( हाथी महोत्सव) लगा गया था। फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा ने शिविर का शुभारंभ किया। फील्ड डायरेक्टर नंदा और डिप्टी डायरेक्टर ऋषभा नेताम ने सभी 7 हाथियों को भोजन कराया। डिप्टी डायरेक्टर नेताम ने बताया हाथियों के पुनर्यौवनीकरण के लिए एसटीआर हर साल हाथी महोत्सव का आयोजन करता है। हाथियों को आराम कराकर उनकी खातिरदारी की जाती है। जंगल में सालभर भ्रमण करने वाले हाथी छुट्टी के दौरान आराम करते है। उनसे किसी भी तरह का काम नहीं लिया जाएगा।

पहले दिन महावत एवं चारा कटरों द्वारा हाथियों को स्नान कराया गया। इसके बाद हाथियों के पैर एवं सिर की नीम तेल से मालिश की गई। केला, नारियल, चना, गुड़, नमक, नाशपाती, गन्ना, पपीता सहित अन्य फल खिलाया गया। वन्य प्राणी चिकित्सक डॉ. गुरुदत्त शर्मा ने महावतों एवं चारा कटर से हाथियों के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली। वन्य प्राणी चिकित्सक ने हाथियों के स्वास्थ्य के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए।

## झाड़फूंक के नाम पर जेवर लेकर भागे

**नर्मदापुरम।** नर्मदापुरम में एक बुजुर्ग महिला से धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। विवेकानंद घाट के पास कोठी बाजार में मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकली एक बुजुर्ग महिला ने दो युवकों ने बेटे के इलाज के लिए झाड़-फूंक करने के नाम पर महिला के सोने के जेवर उतरकर ले भागे। वारदात की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। धोखाधड़ी करने वाले युवकों की तलाश शुरू की। पुलिस ने अज्ञात युवकों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया। टीम आरोपियों की जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार फरियादी त्रिवेणी पति राजाराम यादव (63) निवासी भारत पेपर वाली में रहती है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि वो सुबह करीब 6.30बजे घूमने और फूल लेने के लिए निकली थी। युवक का एक ओर साथी वहां आ गया और फिर ठग ने कहा कि तुमने सोने के जेवर पहने हैं, इन्हें उतार दो और कुछ देर बाद दोनों युवक बाइक से भाग गए।

## विधायक ने किया वार्ड 10 का निरीक्षण

**सिरोंज।** शहर के वार्ड 10 में आयोजित मन की बात कार्यक्रम के बाद विधायक उमाकांत शर्मा ने कार्यकर्ताओं के साथ वार्ड का निरीक्षण भी किया। विधायक शर्मा ने पूर्व पार्षद संतोष रघुवंशी के निवास पर मन की बात कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा और इसके बाद कार्यकर्ताओं से अपनी बात भी साझा की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उन्हें वार्ड की समस्याओं से जुड़ी जानकारियां प्रदान की तो उन्होंने स्वयं मौके पर जाकर समस्याओं को देखना उचित समझा। इसके बाद विधायक ने वार्ड 10 और 11 को जोड़ने वाली दर्जीपुरा की सड़क के साथ हबीबिया स्कूल मार्ग को देखा। कार्यकर्ताओं ने दोनों ही सड़कों के साथ ही बारिश के पानी निकासी के लिए नाली निर्माण अनिवार्य रूप से करवाने का अनुरोध विधायक से किया। इसके बाद विधायक भवानी नगर में निर्माणाधीन नाला और महामाई मायका मंदिर क्षेत्र में भी पहुंचे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इस क्षेत्र में होने वाले विकास कार्यों की जानकारी भी ली। इस दौरान अनिल यादव, मुकेश पंथी तथा प्यारेलाल प्रजापति के साथ ही अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## शिव परिवार और श्याम की निकली शोभायात्रा

**गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो**

श्रीधाम बासौदा दरबार द्वारा राधा अष्टमी के अवसर शोभायात्रा निकाली गई। जो बेतोली हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गों से होते हुए राजेंद्र नगर स्थित श्रीधाम दरबार पहुंची। शिव परिवार और वासुदेव श्रीकृष्ण जी की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा मंदिर में होना है इसी को लेकर नगर में विशाल एवं भव्य शोभायात्रा निकाली जिसमें महिलाएं बच्चे और श्रद्धालु बड़ी संख्या में भजन मंडलियों के साथ बड़े ही उत्साह के साथ चल रहे थें। गुरुदेव हरीनारायण पाठक के साथ एक भक्त अपनी गोद में गोपाल कृष्ण को लेकर पैदल चल रहे थे। पीछे मंगल गीत गाते हुए

महिलाएं और भजन कीर्तन व नृत्य करते चल रहीं थीं। शोभायात्रा में अखाड़े, महाकाल की टीम तासे और झांझर पर अपनी कला का अदभुत प्रदर्शन करते चल रहे थें। शोभायात्रा में पुरुष, महिलाएं और बच्चे सतरंगी झंडे और भगवा झंडे बड़ी संख्या में अपने हाथों में लेकर चल रहे थे। शोभायात्रा का भक्तों द्वारा जगह-जगह फूलों की बर्षा के साथ स्वागत किया। रामदेव मंदिर में भगवान श्री कृष्ण और शिव की प्रतिमाएं राजस्थान से लाई गई हैं। दोनों प्रतिमाएं श्रीधाम बासौदा दरबार राजेंद्र नगर रोड स्थित मंदिर परिसर में स्थापित की जाएंगी। प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा नवंबर में की जाएगी। इस अवसर पर भव्य धार्मिक आयोजन होगा। साथ ही कथा का भी आयोजन किया जाएगा।

## गौशाला निर्माण का किया निरीक्षण

**गंजबासौदा।** शहर की सड़कों पर घूम रहे गौवंश को रखने के लिए नगर पालिका परिषद द्वारा बनवा में अस्थाई गौशाला का निर्माण कराया जा रहा है और यह निर्माण अंतिम चरणों में चल रहा है गत दिवस क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी, नपाध्यक्ष शशि यादव, सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव सहित अन्य पार्षदों एवं गणमान्य नागरिकों ने मौके पर पहुंचकर गौशाला मैं मौजूद व्यवस्थाओं का जायजा लिया। संभवत यह गौशाला अगले सप्ताह में चालू कर दी जाएगी और सड़कों पर विचरण कर रहे मवेशियों को रखने के लिए एक आश्रय मिल जाएगा। अभी इस गौशाला में टीन शेड, हौदा बन चुका है और मवेशियों को खाने के लिए भूसा भी मुहैया करा दिया गया है। गौशाला के अंदर सीसी कराया जा रहा है और इसके पूर्ण होते ही गौशाला का संचालन भी होने लगेगा।



**मेट्रो एंकर** महारानी अहिल्याबाई के महल और किला भी जाएंगे, टूरिस्ट देखकर हुए उत्साहित

## महेश्वर घूमने पहुंचे सचिन तेंदुलकर, प्रशंसकों की भीड़ ने घेरा

**महेश्वर। दोपहर मेट्रो**

क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर को प्रशंसकों की भीड़ में घिर गए। उनका कार तक पहुंचना भी मुश्किल हो गया। एमपी के खरगोन जिले की तीर्थ नगरी महेश्वर में यह नजारा नजर आया। सचिन तेंदुलकर को यहां देख क्रिकेट के दीवाने लोगों ने उन्हें घेर लिया, उनके साथ फोटो खींचने और सेल्फी लेने की होड़ सी लग गई। सचिन ने भी प्रशंसकों के साथ खासा समय बिताया लेकिन बाद में भीड़ के कारण उन्हें अपनी कार तक पहुंचने में भी मशक्कत करनी पड़ी। सचिन तेंदूलकर दोपहर करीब ढाई बजे महेश्वर पहुंचे। यहां उपस्थित टूरिस्ट उन्हें देख उत्साहित हो उठे। सचिन के साथ सेल्फी लेने के लिए युवाओं की भीड़ लग गई। उन्होंने कुछ देर तक लोगों के साथ फोटो खिंचवाई।

बताया जा रहा है कि सचिन तेंदुलकर महेश्वर सहित आसपास के टूरिस्ट स्थलों पर घूमने के लिए आए हैं। एमपी में उनका दो दिनों तक रहने का प्रोग्राम है। उनके साथ कुछ अन्य परिजन भी हैं। सचिन तेंदुलकर महारानी अहिल्याबाई के महल और किला भी जाएंगे।

### समर्थकों ने सेल्फी लेने की कोशिश की

सचिन तेंदुलकर की एक झलक पाने के लिए लोग बेताब नजर आ रहे थे। समर्थक सचिन के साथ सेल्फी लेने की भरपूर कोशिश करते नजर आए। जो सेल्फी नहीं ले पाया उन्होंने इस मेमोरेबल मोमेंट्स को अपने मोबाइल के कैमरे में कैद कर लिया। कई लोगों ने उनके पैर भी छुए।

## प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कार

**सिरोंज।** विघ्नहर्ता गणेशोत्सव समिति पटवाटोला द्वारा बच्चों के बीच चम्मच रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यहां पर समिति द्वारा प्रथम वर्ष भगवान गणेश की प्रतिमा की स्थापना की गई है। 10 दिवसीय उत्सव के दौरान समिति द्वारा हर दिन विभिन्न आयोजन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में इस क्षेत्र के बच्चों के बीच चम्मच रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मोहल्ले के अनेक बच्चों ने उत्साह के साथ सहभागिता की। कंचे रखी चम्मच को मुहं में रखकर ये बच्चे सावधानीपूर्वक आयोजन स्थल पर दौड़ते दिखाई दिए। देर रात तक चली प्रतियोगिता में पहला स्थान राधिका यादव ने, दूसरा स्थान यश सेन ने, तीसरा स्थान शौर्य श्रीवास्तव और चौथ स्थान सीनू यादव ने हासिल की। इस अवसर पर समिति द्वारा सभी विजेताओं को प्रशस्ती पत्र और पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

## नीमच मगरमच्छ देखकर मची भगदड़, दो पर किया हमला

**नीमच।** जिले के थड़ोली ग्राम पंचायत के हनुमंतियां रावजी गांव में घुसे मगरमच्छ ने रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान न सिर्फ जमकर उत्पात मचाया, जिसके चलते कई बार भगदड़ मच गई। वहीं दूसरी ओर दो ग्रामीणों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। कड़ी मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ को रेस्क्यू किया, जिसे बाद में गांधीसागर जलाशय में सुरक्षित छोड़ा गया। स्थानीय लोगों की मानें तो इस पूरे हंगामे का कारण सूचना देने के पांच घंटे बाद मौके पर पहुंचे रेस्क्यू दल के पास सुरक्षा इंतजामों की कमी बताया जा रहा है। आरोप है कि रेस्क्यू टीम बिना इंतजाम के कारण मगरमच्छ बेकाबू हो गया और जैसे ही भागा तो गांव में भगदड़ की स्थित बन गई और कई ग्रामीण गिर गए।

## शिवपुरी 15 फीट लंबे अजगर को देखकर दहशत में लोग

**शिवपुरी।** जिले के करैरा के सिरसोना गांव में उस वक्त लोग दहशत में आ गए, जब एक 15 फीट का अजगर एक जंगली बिल्ली का शिकार करने के बाद कुंडली मारे बैठा नजर आया। लोगों ने जैसे ही विशालकाय अजगर को देखा तो वो हैरान रह गए और तुरंत स्नेक कैचर को सूचना दी। जिसके बाद स्नैक कैचर गांव पहुंचा और बड़ी मशक्कत के बाद विशालकाय अजगर को पकड़कर गांव से दूर ले जाकर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा।

### हत्या का खुलासा: आरोपी महिला और उसके प्रेमी को भेजा जेल

# प्रेमी के साथ मिलकर पत्नी ने की पति की हत्या, बचने किया अंतिम संस्कार

**गुना। दोपहर मेट्रो**

जिले में पत्नी ने पति को रस्सी से गला घोंटकर मार डाला और प्रेमी के साथ मिलकर शव का अंतिम संस्कार कर दिया। 21 अगस्त को हुई इस घटना का खुलासा तब हुआ, जब गांव की पंचायत में महिला ने खुद अपना गुनाह कबूल किया। पुलिस ने आरोपित महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

प्रकरण गुना जिले के मधुसूदनगढ़ थाना क्षेत्र के बंजाराबर्री गांव का है। 21 अगस्त को 35 वर्षीय कैलाश बंजारा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मृतक की पत्नी संपो ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार किया और अपने प्रेमी प्रदीप भार्गव को बुलाकर स्वजनों की मौजूदगी में अंतिम संस्कार करा दिया।

इस दौरान स्वजनों ने कैलाश के गले पर रस्सी जैसे निशान देखे, जिसके बाद शक गहरा गया। पंचायत में महिला ने कबूल किया कि उसने अपने पति की हत्या की है। पुलिस ने महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेजा। पूछताछ में बताया कि करीब एक साल पहले उसके पति कैलाश ने उकावद निवासी प्रदीप भार्गव की जमीन बंटाई पर ली थी। इसके दौरान संपो और प्रदीप के बीच संबंध स्थापित हो गए। दोनों के बीच मोबाइल पर भी बातचीत होती थी। घटना वाली रात विवाद के दौरान पति ने संपो के गले में रस्सी डालकर दम घुटाने की कोशिश की। इसके बाद संपो ने वही रस्सी लेकर पति की गर्दन में लपेटकर खींचा, जिससे दम घुटने से उसकी मौत हो गई।

## गणेश पंडाल जाने निकले बालक की हार्वेस्टर के नीचे मिली लाश

**देवास।** जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक 13 साल के लड़के की बेरहमी से धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई। घटना कराड़िया परी गांव की है जहां लड़के का शव हार्वेस्टर के नीचे मिला है। लड़का घर से गांव में गणेश पंडाल पर जाने की बात कहकर निकला था। लड़के का शव देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। कराड़िया परी गांव में रहने वाला 13 साल का वेदांश झाला अपने घर में गणेशजी का पूजन करने के बाद गांव के सार्वजनिक गणेश पंडाल में जाने के लिए निकला था। जब वो काफी देर तक नहीं लौटा तो खोजबीन शुरू की गई। इसी दौरान उसका शव गांव में ही हार्वेस्टर मशीन आदि रखने वाली जगह पर पड़ा मिला। उसके चेहरे पर चोट के निशान थे। शव मिलने की जानकारी मिलने पर हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर सोनकच्छ एसडीओपी दीपा मांडवे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। डॉग स्काड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की टीम ने रात में घटनास्थल की जांच की।

## नदी में बहा ट्रैक्टर-ट्रॉली, चालक बचा

**सिवनी /मालवा।** ग्राम चंदबाड़ में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली नदी पर बने मेलघाट के रपटे को पार कर रही थी। अचानक नदी का जलस्तर बढ़ गया और तेज बहाव में ट्रैक्टर-ट्रॉली बह गई। गनीमत रही कि चालक ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर-ट्रॉली को निकालने के प्रयास किया गया जिसके कुछ समय बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली को निकाल लिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दिनों में नदी-नालों पर बने रपटों से आवागमन खतरनाक साबित हो रहा है। प्रशासन द्वारा बार-बार चेतावनी जारी किए जाने के बावजूद कई लोग जान जोखिम में डालकर पार करने का प्रयास करते हैं, जिससे इस तरह की घटनाएं घटित हो रही हैं। थाना प्रभारी खुमान सिंह पटेल ने बताया की देर शाम सूचना मिली थी की ग्राम चंदबाड़ में रपटे को पार करते समय एक ट्रेक्टर ट्राली अधिक पानी होने के चलते फंस गई थी ट्रैक्टर-ट्रॉली किसकी थी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है, हालांकि पूरी घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

## विधायक ने भगवान गणेश के किए दर्शन

**बुरहानपुर।** विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अर्चना चिटनिस (दीदी) ने बुरहानपुर के शाहपुर में विभिन्न गणेश पांडालों में पहुंचकर गौरीपुत्र श्री गणेश जी की पूजा-अर्चना और आरती कर सभी की सुख-समृद्धि की मंगलकामना की। इस दौरान चिटनिस का श्री गणेश मंडल द्वारा आत्मीय स्वागत-अभिनंदन किया गया। चिटनिस ने कहा कि सभी भक्तिरस में डॅबकर रिद्धि-सिद्धि के दाता भगवान श्री गणेश जी की आराधना कर रहे हैं। चिटनिस ने शाहपुर में भैरव सेना श्री गणेश मंडल, युवा सेना श्री गणेश मंडल, श्री तानाजी श्री गणेश मंडल एवं रूद्राक्ष श्री गणेश मंडल द्वारा विराजित श्री गणेश जी की झांकियों के दर्शन, पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया और भगवान श्री गणेश से क्षेत्र, देश, प्रदेश की सुख, समृद्धि की कामना की।

## शिक्षकों का होगा पद-प्रक्षालन और सम्मान

**इटारसी।** विपिन जोशी स्मारक समिति इटारसी द्वारा आयोजित होने वाला 41वां राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह इस वर्ष एक नए उत्साह और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। यह समारोह 5 सितंबर को 'द पार्क क्लब एंड रिसॉर्ट', होशंगाबाद रोड, इटारसी में शाम 5 बजे से 10 बजे के बीच आयोजित होगा। इस वर्ष देशभर से चुने गए 40 शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष के आयोजन का सबसे खास पहलू चयनित शिक्षकों का पदप्रक्षालन और सामूहिक महाआरती है, जो गुरुओं के प्रति सम्मान की एक अनूठी परंपरा को दर्शाता है। यह आध्यात्मिक और भावनात्मक पल शिक्षकों के सम्मान में एक अद्भुत रोमांच और गौरव का अनुभव देगा। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए समिति के अध्यक्ष रमेश के. साहू (एडवोकेट) ने सम्मानित होने वाले शिक्षकों की सूची जारी की। इस सूची में देश के विभिन्न हिस्सों और शिक्षण संस्थानों से जुड़े शिक्षकों के नाम शामिल हैं।

## विमान में निकली राधारानी की शोभायात्रा, सड़क का लोकार्पण



**सिरोंज। दोपहर मेट्रो**

राधाष्टमी के अवसर पर पहली बार किसी नवनिर्मित सड़क का लोकार्पण स्वयं राधारानी सरकार के विग्रह ने किया और इस अनूठे आयोजन के साक्षी सभी जनप्रतिनिधि व समाजसेवी एवं आयोजनकर्ता नेमा समाज बनी। इसके साथ ही पंचकुईया से लेकर काशीघाट तक डिवाइडर पर लगाकर तैयार हुई स्ट्रीट लाइट का भी लोकार्पण किया गया।

राधाष्टमी के मौके पर नेमा समाज द्वारा नगर में श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर से राधा कुंड तक शोभायात्रा निकाली जाती है रावजीपथ से होकर जाने वाले इस शोभायात्रा मार्ग में केथन नदी किनारे का कुछ हिस्सा बिना सड़क का हुआ करता था। जिससे श्रद्धालुओं के साथ नियमित आवागमन करने वालों को परेशानी जाती थी बारिश के मौसम में यह समस्या ओर बढ़ जाती थी। रानी वाले कुएं से कंजी वाले कुएं तक बनकर तैयार हुई इस सड़क का लोकार्पण करने के लिए नपा ने विशेष तैयारी की थी। इस पूरी तैयार सड़क पर आकर्षक रंगोली बनाकर दुल्हन की तरह सजाकर लाल रिबिन बांधकर रखा गया था। शाम चार बजे गाजे बजे के साथ नेमा समाज की माता बहिनों पुरुषों के साथ ढोल बाजों से गेट बजाते हर्षोल्लास के साथ जब राधारानी का विमान यहां पहुंचा तो नपाध्यक्ष मनमोहन साहू ने पार्षदों के साथ राधेरानी का पूजन किया।

### वायरल हो रहा वीडियो, उठ रहे सवाल

## नहीं आई एंबुलेंस तो गर्भवती पत्नी को ठेले पर ले गया पति



**छतरपुर। दोपहर मेट्रो**

जिले से एक बार फिर से प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की बेपटरी होती तस्वीर सामने आई। जिस पर सवाल उठाना लाजमी है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलता यह वीडियो प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की तस्वीर पेश करने में काफी है।

छतरपुर की ये तस्वीर एक बार फिर सरकार के दावों की पोल खोल रही है। जहां मुख्यमंत्री मंच से एयर एंबुलेंस और हाई-टेक मेडिकल सुविधाओं के वादे कर रहे हैं, वहीं हकीकत यह है कि गर्भवती महिला को अस्पताल पहुँचाने के लिए उसका पति हाथठेले का सहारा लेता है। दर्द से चीखती प्रसूता और ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर डगमगाता ठेला,यही है जमीनी सच। शर्मनाक बात यह कि अस्पताल पहुँचने पर भी स्टाफ ने मदद करने के बजाय सुबह 8 बजे आने की सलाह दी। सवाल है, क्या जिदंगी और मौत घड़ी देखकर आती है। क्या 108 एंबुलेंस सिर्फ पोस्टरों और भाषणों के लिए है। यह घटना दिखाती है कि स्वास्थ्य व्यवस्था में करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद गांव-कस्बों में हालात बद से बदतर हैं।

## मेरी हत्या से नशा रुक सकता है तो मुझे मंजूर: जीतू पटवारी

**रतलाम। दोपहर मेट्रो**

प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने रतलाम में बड़ी रैली निकाली। उनके नेतृत्व में कांग्रेस की वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली बस स्टैंड से शुरू हुई। बाद में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने वोट चोरी और नशाखोरी के मुद्दे पर बीजेपी सरकार को ललकारा। जीतू पटवारी ने कहा कि उनपर हमला हो गया, गाड़ी के कांच तोड़ दिए। उन्होंने मंडल अध्यक्ष पर हमला करने के आरोप लगाते हुए कहा कि मेरी हत्या से प्रदेश में नशा रुक सकता है तो मुझे मंजूर है। रतलाम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष शांतिलाल वर्मा और जिला कांग्रेस अध्यक्ष हर्ष विजय गहलोत के साथ रैली में शामिल जीप पर सवार थे। रैली में बड़ी संख्या में जिलेभर के विधानसभा और ग्रामीण क्षेत्र के कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेस की रैली दोपहर 12 बजे शुरू होनी थी, लेकिन रास्ते में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पर हमला हो जाने की वजह से खासा विलंब हो गया। जीतू पटवारी पौने 2 बजे बस स्टैंड पहुंचे और इसके बाद रैली की शुरुआत हुई।

### मेट्रो एंकर पयुर्षण पर्व पर जैन मंदिर में आयोजित धर्मसभा में बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालु

# सत्य की विजय होती है, असत्य की नहीं: बसंत

**तेन्दूखेड़ा!दोपहर मेट्रो**

नगर में पयुर्षण पर्व के अवसर पर भगवान पार्श्वनाथ जिनालय, शांतिनाथ जिनालय एवं चैत्यालय में पयुर्षण पर प्रवचनों के अलावा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतिदिन आयोजित हो रहे है। दशलक्षण पर्व पर पार्श्वनाथ जिनालय के समोशरण हाल में सुवह साढे 6 बजे से मुनिश्री प्रयोग सागर जी के सानिध्य में भगवान श्रीजी का अभिषेक शांतिधारा पूजन हो रहा है। 8 बजे से मुनिश्री के प्रवचन हो रहे है। जिसमें उत्तम शौच धर्म दिवस पर प्रवचन हुए। इसके बाद सामूहिक संगीतमय पूजन, दोपहर ढाई बजे से तत्वार्थ सूत्र जी वाचन एवं अर्घ शाम 6 बजे से आचार्य भक्ति एवं ज्ञान पाठशाला साढ़े 8 बजे से मंगल आरती एवं प्रश्नमंच माला की प्रतियोगिता हुई। तारण तरण दिगंबर जैन चैत्यालय में भक्तिभाव और आनंद से भाव पूजा, मन्दिर विधि का क्रम चल रहा है। इस अवसर पर नगर में वर्षावास हेतु विराजमान पूज्य बाल ब्रम्ह बसंत जी महाराज ने तारण भवन में सकल समाज धर्मप्रेमियों को धर्मसभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि सत्य के समान संसार मे दूसरा तप नहीं है। सत्य मार्ग पर चलने वाला जीव परमात्मा की प्राप्ति कर सकता है। सत्यनिष्ठ व्यक्ति ही आत्मा को पहिचान सकता है। भारत की पवित्र भूमि धर्मात्माओं से खाली नहीं है, जो भव्य जीव अपने जीवन मे सत्य को स्वीकार करता है, वही सत्य धर्म को यथार्थता को समझ सकता है। जिस प्रकार मनुष्य का आभूषण गुण है, शरीर का आभूषण गहने है, उसी प्रकार वाणी का आभूषण सत्य है, सत्य में ही परमात्मा का निवास है। अतः सदैव सत्य बोलना चाहिए। सत्य के अनेक रुप है-सर्व प्रथम सत्य धर्म मनुष्य के जीवन मे सत्य वचन के रूप में प्रकट होता हैं। झूठ बोलना पाप है। एक झूठ को छिपाने के लिये मनुष्य अनेक झूठ बोलता है और सदा सत्य बोलना तपस्या करना है और झूठ बोलना पाप है, जिसका ह्रदय निर्मल है, भावों में शुचिता है, सत्य के मार्ग पर चल सकता है। असत्य के ऊपर उठकर सत्य की पहचान करना और सत्यमय जीवन जीना यही जीवन का सार है। सत्य ही जीवन में परम आश्रय है। सत्य शब्द जिव्हा पर आते महापुरुष राजा हरिश्चंद्र का स्मरण आ जाता है, जिन्होंने सत्य की रक्षा के लिये सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। जो सत्य धर्म का पालन करेगा, धर्म उसकी रक्षा करेगा।

पश्चिम मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

खुली निविदा क्रमांक: WCR-CRWS-STP-25-33 भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई– अनुभवी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** कोन्प्रिहेंसिव ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस ऑफ सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) (0.5 एमएलडी केपेसिटी) एट सीआरडब्ल्यूएस भोपाल। **कार्य की लागत–** रू. 50,97,600.00, **निविदा फार्म का मूल्य–** 0.00, **धरोहर राशि–** रू. 1,02,000.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि–** 24 माह, **ऑनलाईन बिडिंग प्रारंभ होने का दिनांक / ऑनलाईन निविदा बंद होने का दिनांक एवं समय–** 03.09.2025/17.09.2025 को 15:00 बजे तक। **निविदा खुलने का समय एवं दिनांक–** 17.09.2025 को 15:30 बजे, निविदा तथा निविदा प्रारूप की विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेबसाईट www.ireps.gov.in एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रबंधक, सडिपुका/ भोपाल कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है। (हस्ता)

मुख्य कारखाना प्रबंधक
सडिपुका, निशातुपरा, पमरे, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

## दिल्ली प्रीमियर लीग, वेस्ट दिल्ली लायंस ने सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 6 विकेट से हराया।

# नीतीश राणा ने तूफानी बैटिंग कर पलटा मैच... वेस्ट दिल्ली लायंस बनी चैम्पियन

**नई दिल्ली, एजेंसी**

**वेस्ट दिल्ली लायंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 के लिए दूसरे सीजन का खिताब जीत लिया है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए खिताबी मुकाबले में उसने सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 6 विकेट से हराया।**

मुकाबले में वेस्ट दिल्ली लायंस को जीत के लिए 174 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने दो ओवर बाकी रहते हासिल कर लिया। वेस्ट दिल्ली लायंस की जीत के हीरो कप्तान नीतीश राणा रहे। प्लेयर ऑफ द मैच नीतीश ने सात छक्के और चार चौके की मदद से 49 गेंदों पर नाबाद 79 रन बनाए। बता दें कि दिल्ली प्रीमियर लीग के पहले सीजन का खिताब ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को हराकर जीता था। टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की शुरुआत खराब रही और 5 ओवर के बाद उसका स्कोर तीन विकेट के नुकसान पर 48 रन था। यहां से कप्तान नीतीश राणा ने अपनी टीम को संभाला। पहले उन्होंने मयंक गुसाई (11 गेंदों पर 15 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 42 रनों की साझेदारी की। इसके बाद नीतीश ने ऋतिक शौकीन के साथ पांचवें विकेट के लिए नाबाद 85 रनों की साझेदारी की। ऋतिक ने 27 गेंदों का सामना करते हुए 42 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और दो छक्के शामिल रहे।

### युगल सैनी और प्रांशु विजयरन के अर्धशतक

इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने सात विकेट पर 173 रन बनाए। सेंट्रल दिल्ली किंग्स की शुरुआत बहुत खराब रही। एक समय उसका स्कोर 6 विकेट के नुकसान पर 78 रन था। लेकिन युगल सैनी और प्रांशु विजयरन के बीच सातवें विकेट के लिए हुई 78 रनों की साझेदारी ने सेंट्रल दिल्ली किंग्स को अच्छे स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। युगल सैनी ने 48 गेंदों का सामना करते हुए 65 रनों की पारी खेली, जिसमें चार चौके और तीन छक्के शामिल रहे। वहीं प्रांशु विजयरन 50 रन बनाकर नाबाद रहे। प्रांशु ने 24 गेंदों की पारी में चार छक्के और तीन चौके लगाए। वेस्ट दिल्ली लायंस की ओर से मनन भारद्वाज और शिवांक वशिष्ठ ने दो-दो विकेट झटके। कप्तान नितीश राणा, शुभम दुबे और मयंक गुसाई को एक-एक विकेट मिला।

## ऑक्शन के लिए रजिस्टर कराया नाम

# आईपीएल से संन्यास के बाद अब लीग में खेलेंगे अश्विन!

**नई दिल्ली, एजेंसी**

भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 27 अगस्त 2025 को इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास लेने की घोषणा की थी। इससे पहले अश्विन ने पिछले साल 18 दिसंबर को ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान ही इंटरनेशनल क्रिकेट को बाय-बाय कहा था। आईपीएल और इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद अश्विन अब विदेशी टी20 लीग्स में खेलने के लिए योग्य हो चुके हैं।

रविचंद्रन अश्विन सबसे पहले इंटरनेशनल लीग टी20 में खेलते नजर आ सकते हैं। अश्विन ने आईएलटी20 के ऑक्शन के लिए अपना नाम रजिस्टर कराया है। अश्विन ने क्रिकबज से बातचीत में इस बात की जानकारी दी। यह लीग संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित होती है। इस लीग के अब तक तीन सीजन हो चुके हैं। पिछले सीजन में दुबई कैपिटल्स ने डेजर्ट वाइपर्स को हराकर खिताब जीता था। रविचंद्रन अश्विन ने कहा, मैंने आईएलटी20 के ऑक्शन में अपना नाम भेज दिया है। उम्मीद है कोई टीम मुझे खरीदेगी। अश्विन का मानना है कि जिंदगी में कोई पछतावा नहीं रहना चाहिए और वो क्रिकेट का आनंद आखिरी समय तक लेना चाहते हैं। अश्विन कहते हैं कि उन्होंने कभी ये फैसले बहुत सोच-समझकर नहीं लिए, बल्कि हमेशा छोटे रास्तों को चुनना पसंद किया।

### अश्विन ने आईपीएल में कितने विकेट झटके?

रविचंद्रन अश्विन ने 221 आईपीएल मैचों में 187 विकेट लिए। वो आईपीएल इतिहास में पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने आईपीएल में अपना शुरुआती और आखिरी मैच चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेला। अश्विन ने सीएसके को 2010 और 2011 में चैम्पियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। रविचंद्रन अश्विन कहते हैं, क्रिकेट खेलना मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी खुशी है, मैं इसे जारी रखना चाहता हूं। अंतिम समय तक खेल का आनंद लेना चाहता हूं। कुल मिलाकर देखा जाए, तो अश्विन इंटरनेशनल क्रिकेट और आईपीएल से विदा लेने के बाद अब अपने करियर के आखिरी पड़ाव में विदेशी टी20 लीग्स में खेलकर क्रिकेट का आनंद लेना चाहते हैं।

## एशिया कप 2025: भारतीय हॉकी टीम की लगातार दूसरी जीत,

# जापान को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराया, कप्तान हरमनप्रीत फिर चमके

**राजगीर, एजेंसी**

**बिहार के राजगीर में खेले जा रहे एशिया कप 2025 में भारतीय हॉकी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारतीय टीम ने अपने दूसरे पूल मुकाबले में जापान को 3-2 से हरा दिया। 31 अगस्त (रविवार) को खेले गए इस मैच में भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह (5वें मिनट और 46वें मिनट) ने दो गोल दागे। वहीं मनदीप सिंह (4वें मिनट) एक गोल करने में सफल रहे।**

दूसरी ओर जापान के लिए कवाबे कोसेई (38वें मिनट और 59वें मिनट) ने दोनों गोल किए। जापान के खिलाफ मैच में भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने कुछ बेहतरीन बचाव किए। कृष्ण बहादुर का ये 150वां इंटरनेशनल मुकाबला था। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम सुपर-चार स्टेज में पहुंच गई है। बता दें कि भारतीय टीम ने अपने पहले मुकाबले में चीन को 4-3 से हराया था। अब भारतीय टीम अपने आखिरी पूल मुकाबले में 1 सितंबर (सोमवार) को कजाकिस्तान से भिड़ेगी।

भारतीय टीम ने तूफानी शुरुआत की और पहले ही क्वार्टर में दो गोल दाग दिए। क्वार्टर के चौथे मिनट में ही मनदीप सिंह ने शानदार फील्ड गोल किया। अगले ही मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारतीय टीम को 2-0 से आगे कर दिया। दूसरा क्वार्टर काटेदार रहा, जहां दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं। दोनों टीमों ने जरूर मौके बनाए, लेकिन गोल पोस्ट में गेंद डाल नहीं सकीं। हाफटाइम तक स्कोर भारत के पक्ष में 2-0 था।

### तीसरे क्वार्टर फाइनल में आक्रामक दिखा जापान

तीसरे क्वार्टर में जापान ने आक्रामक खेल दिखाने का प्रयास किया। इसका उसे फायदा भी मिला, जब क्वार्टर के आठवें मिनट में कवाबे कोसेई ने जापान के लिए गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया। ये स्कोर तीसरे क्वार्टर के अंत रहा। फिर चौथे क्वार्टर की शुरुआत में ही भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसपर कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल कर भारत को 3-1 से आगे कर दिया। जापानी टीम इस गोल को खाने के बाद भी लड़ती रही और खेल खत्म होने से लगभग दो मिनट पहले कवाबे कोसेई गोल करने में कामयाब रहे।

### एशिया कप विजेता को वर्ल्ड कप में मिलेगा मौका

एशिया कप में भारतीय टीम को जापान, चीन और कजाकिस्तान के साथ पूल-ए में रखा गया है। वहीं पूल-बी में चीनी ताइपे, मलेशिया, साउथ कोरिया और बांग्लादेश की टीमें हैं। एशिया कप की विजेता टीम को अगले साल होने वाले हॉकी वर्ल्ड कप में खेलने का मौका मिलेगा। हॉकी वर्ल्ड कप नीदरलैंड्स और बेल्जियम में 14 से 30 अगस्त तक खेला जाना है। बता दें कि एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट का ये 17वां संस्करण है। भारतीय टीम ने अब तक तीन बार एशिया कप खिताब जीता है। भारतीय टीम आखिरी बार 2017 में इस टूर्नामेंट को जीतने में सफल रही थी। उससे पहले भारत 2003 और 2007 में भी चैम्पियन रहा था। साउथ कोरिया ने सबसे ज्यादा पांच और पाकिस्तान ने 3 बार खिताब जीता।

## दलीप ट्रॉफी

# आयुष बडोनी का नाबाद दोहरा शतक, सेफा में पहुंची नॉर्थ जोन

बेंगलुरु। आयुष बडोनी के नाबाद अर्धशतक के दम पर नॉर्थ जोन ने बीसीसीआई सीओई ग्राउंड 1 पर दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन के खिलाफ खेले गए मुकाबले में बढ़त बनाते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में बडोनी का यह दूसरा दोहरा शतक है। नॉर्थ जोन ने अपनी दूसरी पारी में 146.2 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 658 रन बनाए थे। आयुष बडोनी 223 गेंद में 3 छक्के और 13 चौके की मदद से 204 और कन्हैया वाधवन 45 गेंद पर 23 रन पर खेल रहे थे। नॉर्थ जोन की कुल बढ़त 833 रन की हो चुकी थी। इस समय अंपायर्स ने मैच ड्रॉ घोषित कर दिया।

आयुष बडोनी के अलावा नॉर्थ जोन के लिए दूसरी पारी में कप्तान अंकित कुमार ने 321 गेंद पर 198 और यश ढुल ने 157 गेंद पर 133 रन की पारी खेली थी। निशांत सिंधु ने भी 68 रन बनाए थे। नॉर्थ जोन पहली पारी में 405 रन पर सिमटी थी। आयुष बडोनी ने 63 रन बनाए थे। वाधवन ने 76 रन की पारी खेली थी। निशांत सिंधु ने 47 और आकिब नबी ने 44 रन बनाए थे। पहली पारी में ईस्ट जोन 230 रन पर सिमट गई थी। विराट सिंह ने सर्वाधिक 69 रन बनाए थे। नॉर्थ जोन के लिए आकिब नबी ने 5 विकेट लिए थे। ईस्ट जोन पर बढ़त बनाने की वजह से नॉर्थ जोन सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

## जिम्बाब्वे के लिए 10 हजार इंटरनेशनल रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने ब्रेंडन टेलर

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ रविवार को दूसरे वनडे मुकाबले में जिम्बाब्वे के अनुभवी बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर ने बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। महज 20 रन की पारी खेलते हुए ब्रेंडन टेलर जिम्बाब्वे की ओर से इंटरनेशनल क्रिकेट में 10 हजार से ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। ब्रेंडन टेलर ने साल 2004 से अब तक तीनों फॉर्मेट में कुल 287 मुकाबले खेले, जिसकी 320 पारियों में यह दाएं हाथ का बल्लेबाज 33.92 की औसत के साथ 10,009 रन बना चुका है। इस दौरान ब्रेंडन टेलर ने 17 शतक और 57 अर्धशतक जमाए।

**मनोरंजन** | **बॉलीवुड का कोना**

# फिटनेस को प्राथमिकता राशि खन्ना की स्ट्रेच रूटीन, जिसे आपको ज़रूर देखना चाहिए

मुंबई। क्या आपने कभी हवाई जहाज़ या काम के बाद अकड़न महसूस की है? राशि खन्ना ने अपने पसंदीदा स्ट्रेचिंग तरीके बता रही हैं। मैं अपनी पसंदीदा स्ट्रेचिंग रूटीन बता रही हूँ, खास कर उनके लिए जो हवाई जहाज़, डेस्क या ट्रैफ़िक में बहुत ज़्यादा समय बिताते हैं। राशि खन्ना का स्ट्रेचिंग रूटीन आपका इंतज़ार कर रहा है। शूटिंग, सफ़र और लंबे समय तक काम से भरे व्यस्त शेड्यूल को संभालना आसान नहीं होता, लेकिन पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना हमेशा अपनी फिटनेस को प्राथमिकता देती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने फैंस को अपनी वर्कआउट रूटीन की झलक दी, जिसमें उन्होंने कुछ आसान लेकिन असरदार स्ट्रेचेस दिखाए हैं जो लंबे समय तक बैठने से होने वाले तनाव और जकड़न को कम करने में मदद करते हैं – फिर चाहे वो हवाई जहाज़ में हो, ऑफिस डेस्क पर हो या ट्रैफिक में फंसे हों।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैं अपने पसंदीदा स्ट्रेच उन लोगों के लिए साझा कर रही हूँ जो प्लेन में (मेरी तरह!) डेस्क पर या ट्रैफ़िक में बहुत ज़्यादा समय बिताते हैं! कृपया इसे घर पर आज़माएँ! इसके साथ ही उन्होंने अपने फॉलोअर्स को प्रेरित किया कि चाहे जीवन कितना भी व्यस्त क्यों न हो, सेहत को हमेशा प्राथमिकता दें।

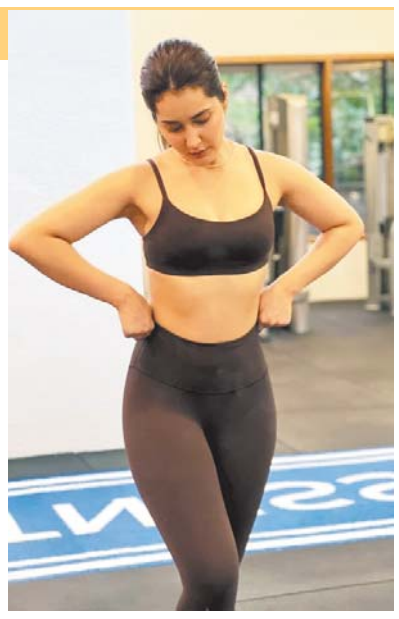

**महाराष्ट्र में गणेशोत्सव की धूम है। बॉलीवुड इंडस्ट्री के फैंस की नजर उन सितारों पर होती है जो अपने घर बप्पा को बड़े मान के साथ लाते हैं। किस्से और कहानियां भी खूब मन से सुने और कहे जाते हैं। बप्पा को लेकर अभिनेत्री सई मांजरेकर ने भी ऐसा ही दिलचस्प किस्सा सुनाया। सई ने सलमान खान की दबंग-3 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वो मशहूर फिल्म निर्देशक और अभिनेता महेश मांजरेकर की बेटी हैं।**

# सई ने गणेशोत्सव से जुड़ी याद की साझा बताया कैसे मंजीरे के लिए छिड़ती थी जंग

उन्होंने बचपन की प्यारी सी कहानी बताई। कहा, गणेशोत्सव से जुड़ी बहुत सारी यादें हैं। हमारे घर में मंजीरे थे, मराठी में इसे जंजे कहते हैं। इसे आरती के दौरान बजाया जाता है। हम 8-9 भाई-बहन थे, लेकिन मंजीरे सिर्फ 5 थे, इसलिए हम हमेशा उनके लिए लड़ते थे। और जिन तीन को यह नहीं मिलता था, उन्हें ताली बजानी पड़ती थी। इसलिए हम खूब लड़ते थे। सई मांजरेकर ने आगे कहा, मुझे लगता है कि मैं साल में सबसे अधिक गणेश चतुर्थी के 10 दिनों के लिए उत्साहित रहती हूं, क्योंकि मेरा पूरा परिवार आता है। घर में हमेशा लोग होते हैं। हम हंसते हैं,



खेलते हैं, और स्वादिष्ट भोजन बनाते हैं। आरती के समय, हम खूब मस्ती करते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि बचपन से लेकर अब तक गणेश चतुर्थी की सारी यादें मुझे बहुत पसंद हैं। सई मांजरेकर ने इससे पहले एक पोस्ट में कहा था कि उनके पिता हमेशा से उनकी प्रेरणा रहे हैं, लेकिन कभी भी उनका शॉर्टकट नहीं रहे। मतलब कभी उन्होंने अपने पिता के नाम का फायदा नहीं उठाया। पहली बार जब सई ने एक्टिंग करने का फैसला किया तब उनके पिता ने एक्ट्रेस को सपोर्ट किया था। साथ ही कहा था कि इसके लिए सई को खुद ही मेहनत करनी होगी और किसी फिल्म के लिए उनकी सिफारिश नहीं करेंगे।

## मेट्रो बाजार

# देश को टेक्नोलॉजी में लीडर बनाने के लिए टेक्नोक्सियन वर्ल्डकप जैसे आयोजन आवश्यक

**नई दिल्ली।** टेक्नोक्सियन वर्ल्डकप, दुनिया की सबसे बड़ी रोबोटिक्स चैम्पियनशिप है। टेक्नोलॉजी में लीडर और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए भारत में इस तरह के आयोजन होना आवश्यक है। यह बयान आयोजक राज के शर्मा ने रविवार को दिया।

राज के शर्मा ने बताया कि ऑल इंडिया काउंसिल फॉर रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन द्वारा वर्ल्ड रोबोटिक्स ऑर्गेनाइजेशन के साथ साझेदारी में आयोजित किए गए टेक्नोक्सियन वर्ल्डकप 9.0 का उद्देश्य भारत को ग्लोबल टेक स्पोर्ट्स हब के रूप में तैयार करना है। यहां भाग लेने वाला प्रत्येक देश घरेलू स्तर पर नेशनल चैंपियनशिप आयोजित करता है और वहां की सर्वश्रेष्ठ टीमें को भारत में प्रतिस्पर्धा के लिए भेजा जाता है। इसका उद्देश्य है कि दुनिया भारत की प्रतिभा को देखे, और भारतीय छात्र सीखें और ज्ञान का आदान-प्रदान हो। जानकारी के मुताबिक, टेक्नोक्सियन वर्ल्डकप 9.0 को नोएडा स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में 15 श्रेणियों में लगभग 60 देशों के प्रतिभागी शामिल होंगे, जिसका उद्देश्य भारतीय छात्रों को ग्लोबल से परिचित कराना और ग्लोबल टेक्नोलॉजी लीडर बनने के भारत के दृष्टिकोण को मजबूत करना है।

# भारतीय चावल निर्यातकों का डेलिगेशन फिलीपींस जाएगा, खाद्य निर्यात पर जोर

**नई दिल्ली।** भारतीय चावल निर्यातकों का एक प्रतिनिधिमंडल अगले महीने फिलीपींस का दौरा करेगा। फिलीपींस ने भारत से खाद्यान्न आयात नियमों में ढील दी है। इसका मकसद भारत से निर्यात को बढ़ावा देना है।

फिलीपींस बासमती चावल के आयात पर प्रतिबंध हटाने पर सहमत हो गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस कदम से भारत से उच्च गुणवत्ता वाले चावल के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि होने और भारतीय किसानों की आय में वृद्धि होने की उम्मीद है। कृषि सचिव फ्रांसिस्को पी. तियु लॉरेल जूनियर के नेतृत्व में फिलीपींस का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस महीने की शुरुआत में भारत आया था। उन्होंने भारतीय कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) और भारतीय चावल निर्यातक संघ के अधिकारियों से मुलाकात की। इस मुलाकात में, फिलीपींस ने भारत से कई ज़रूरी खाद्य पदार्थों का आयात बढ़ाने पर सहमति जताई। इनमें चावल, भैंस का मांस, सब्जियां, फल और मूंगफली सहित अन्य खाद्य पदार्थ शामिल हैं। इस फैसले से फिलीपींस को अपनी खाद्य आपूर्ति को अलग-अलग देशों से पूरा करने में मदद मिलेगी, खासकर जब दुनिया में व्यापार को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इन बैठकों में यह भी तय हुआ कि भारत से बासमती चावल के निर्यात पर लगे प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे। यह समझौता भारत-फिलीपींस संबंधों में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है और दोनों देशों की कृषि, व्यापार और आर्थिक विकास में मिलकर काम करने की इच्छा को दर्शाता है।

बिलखिरिया थाने के छावनी पठार में हुआ हादसा

## कटिया फंसाते समय करंट लगने से युवक की मौत

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बिलखिरिया थाना क्षेत्र के छावनी पठार में रहने वाले एक युवक की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। घटना के समय वह बिजली मीटर के पास कटिया फंसा रहा था। करंट से झुलसे युवक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। थाना प्रभारी उमेश सिंह चौहान ने बताया कि प्रिंस केवट पुत्र बालचंद केवट (19) ग्राम छावनी पठार में रहता था और प्रायवेट काम करता था। उसके घर पर बिजली का मीटर लगा हुआ है। मीटर तक लाईन आने के बाद आगे घर के लिए कटआउट लगाना होता है, लेकिन प्रिंस के घर पर मीटर से निकले दोनों तार दीवार पर लगी लोहे की कील से लपेट दिए गए थे। इन्हीं तारों पर कटिया फंसाने से घर की लाईट चालू हो जाती थी। रविवार की सुबह प्रिंस बिजली के तारों को फंसा रहा था, तभी उसे करंट लग गया। करंट लगते ही उसे जोरदार झटका लगा और वह झुलसकर जमीन पर गिर पड़ा। परिजनों ने उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया, जहां कुछ समय चले इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## कार की टक्कर से घायल बाइक सवार युवक की मौत

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

ईंटखेड़ी इलाके में एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से घायल हुए बाइक सवार युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के समय युवक भोपाल से अपने घर गुनगा लौट रहा था। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज किया था। घायल की मौत के बाद चालक पर धाराएं बढ़ा दी गई हैं। जानकारी के अनुसार सागर कुमार कुशवाह (21) ग्राम कलारा थाना गुनगा में रहता था। बीती पच्चीस अगस्त की रात करीब साढ़े सात बजे वह अपनी मोटर सायकिल से भानपुर से घर की तरफ लौट रहा था। उसके पीछे बैरसिाय में रहने वाला मौसी का लड़का रोहित और उसका चचेरा भाई पवन कुशवाह दूसरी बाइक पर चल रहे थे। सागर जैसे ही बाइक लेकर सिद्धी विनायक कालोनी के पास पिपलिया रोड लांबाखेड़ा पहुंचा, वैसे ही सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही सागर बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गया। गिरने से उसे सिर में पीछे तरफ, सीधे पैर, अगुंलियों और शरीर में चोट आई थी। हादसे के बाद उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया गया था। उसके बाद भैंसाखेड़ी स्थित दूसरे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

**भोपाल से गुनगा लौटते समय हुआ था हादसा**

## बाइक की टक्कर से ससुर-दामाद गंभीर घायल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बैरसिया इलाके में एक तेज रफ्तार की टक्कर से ससुर और दामाद गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दोनों को टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार विनोद प्रजापति (42) गुलाबगंज जिला विदिशा में रहते हैं और खेती किसानी करते हैं। बीती तीस अगस्त को वह अपने बहनोई हरगोविंद प्रजापति के साथ बाइक से शमशाबाद से बैरसिया जा रहे थे। उनका भानेज अनिल प्रजापति और उसके ससुर अशोक प्रजापति दूसरी बाइक पर उनके आगे चल रहे थे। शाम करीब सवा चार बजे अनिल और अशोक जैसे ही मेंगराकला जोड़ के पास पहुंचे, वैसे ही सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक के चालक ने अनिल की मोटर सायकिल को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही अनिल और उनके ससुर अशोक बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गये। दोनों लोगों को गंभीर चोट आई थी। विनोद और उनके बहनोई ने दोनों को इलाज के लिए भोपाल स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया और बाद में बैरसिया थाने जाकर टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज करवाया। बुजुर्ग महिला को बाइक ने मारी टक्कर सूखी सेवनिया इलाके में रहने वाली एक बुजुर्ग महिला को बाइक चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार मुन्नीबाई (60) पटेल बाबा मंदिर के पास ग्राम गढ़मुर्रा सूखी सेवनिया में रहती हैं। बीती उनतीस अगस्त की शाम करीब चार बजे वह पैदल अपने घर से गढ़मुर्रा जा रही थी। इसी दौरान सौरभ नामक युवक ने अपनी बाइक से मुन्नीबाई को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गई। पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

अयोध्या नगर पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी करने वाले एक युवक को किया गिरफ्तार

# दसवीं पास को रोजगार नहीं मिला तो सप्लाई करने लगा अवैध शराब

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

**अयोध्या नगर पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसने पूछतांछ में बताया कि वह 10वीं पास है। रोजगार नहीं मिला तो उसने टैक्सी चलाने का तय किया और इसी टैक्सी की आड़ में वह अवैध शराब सप्लाई करने लगा। इससे उसे काफी पैसा मिलने लगा। उसने बाद में एक स्विफ्ट कार खरीदी और दूसरे जिलों से माल लाकर राजधानी के स्लम एरिया में खपाता था। पुलिस ने मुखबिरी के आधार पर उसे दबोच लिया। उसके पास से 10 पेटी शराब जब्त की गई है। पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।**

एक व्यक्ति टैक्सी के रूप में अपनी स्विफ्ट कार चलाने की आड़ में बाहर से अवैध शराब लाकर इंद्रपुरी, अर्जुन नगर और झील नगर झुग्गी एरिया में बेच रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मंगल भवन नगर निगम ऑफिस के पास सुरेन्द्र धाकड़ (25) निवासी ग्राम सेवनिया ओंकारा पिपलिया जाहिरपीर थाना सूखी सेवनिया को हिरासत में लेकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार की डिग्गी से चार पेटी और पीछे वाली सीट पर रखी छह पेटी समेत कुल दस पेटी (90 लीटर) देसी शराब अवैध रूप से रखी मिली।

**10 पेटी शराब की जब्त**

### 6 लाख का माल जब्त

पुलिस ने कार और अवैध शराब समेत कुल 6 लाख रुपए का मशरुका बरामद कर आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी इन दिनों अंकिता परिसर शुभम शादी हाल के पीछे अयोध्या नगर इलाके में रह रहा था। वह 10वीं कक्षा तक पढ़ा है और अपनी स्विफ्ट कार क्रमांक एमपी 04 टीबी 4385 टैक्सी के रूप में चला रहा था। उसके खिलाफ थाना देव नगर जिला, रायसेन, थाना बरेली जिला, रायसेन, गोविंदपुरा और अयोध्या नगर थाने में प्रकरण दर्ज हैं।

प्रभात चौराहे के पास रात सवा एक बजे हुई थी वारदात

## कालेज छात्र से मारपीट कर बाइक लूटने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

ऐशबाग स्थित प्रभात चौराहे आधी रात को एक कालेज छात्र के साथ मारपीट कर बाइक लूटने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है। पकड़े गए आरोपियों से लूटी गई बाइक बरामद कर ली गई है। तीनों से पूछताछ कर लूटपाट की अन्य घटनाओं को पता लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मूलतः बिहार निवासी चंदन सिंह पुत्र रमेश सिंह (20) पटेल नगर पिपलानी में रहता है और कालेज में पढ़ता है। बीती 26 अगस्त को रात करीब सवा एक बजे वह प्रभात चौराहे पर अपने दोस्त अंकित का इंतजार कर रहा था। अंकित भोपाल स्टेशन से आटो में बैठकर प्रभात चौराहा पहुंचने वाला था। इसी दौरान तीन युवक चंदन के पास पहुंचे और पूछने लगे कि वह पिज्जा डिलीवरी करने वाला है क्या। इस पर चंदन ने इंकार करते हुए बताया कि वह अपने दोस्त के आने के इंतजार कर रहा था। चंदन अपने दोस्त को फोन लगाने लगा तो युवकों ने उसका मोबाइल फोन छीनने की कोशिश की। इस पर वह बाइक समेत गिर गया। उस वक्त चाबी बाइक में ही लगी हुई थी। चंदन के गिरते ही तीनों बदमाश उसकी बाइक लेकर भाग निकले। ऐशबाग पुलिस ने इस मामले में लूट का प्रकरण दर्ज किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की एक विशेष टीम आरोपियों की तलाश में लगाई गई थी। बिट्टन मार्केट से पकड़ाया आरोपी जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के इलाके में लगे करीब दो दर्जन सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। इस दौरान सूचना मिली कि लूटपाट में संदेही मो. अयाज निवासी धोबाघाट पातरा पुल बरखेड़ी थाना जहांगीराबाद का हो सकता है। पुलिस जब उसके घर पहुंची तो वह नहीं मिली। इसी दौरान पता चला कि अयाज बिट्टन मार्केट इलाके में मिल सकता है। पुलिस की एक टीम बिट्टन मार्केट पहुंची तो मोहम्मद अयाज मिल गया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने उसके नाबालिग साथी को भदभदा सब्जी मंडी के पास पकड़ा और लूटी गई बाइक बरामद कर ली। वारदात में शामिल रहे तीसरे आरोपी समीर को पुलिस ने पीरगेट स्थित चिरायु अस्पताल के पास से दबोच लिया। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी विजय बहादुर सिंह सेंगर, एसआई लक्ष्मण राई, एएसआई वसीम राजा, हेड कांस्टेबल तनवीर, आरक्षक राधेश्याम, सुनील माधव, सुनील राजपूत, पकंज गौतम और नीलेश पटेल की सराहनीय भूमिका रही है।

## डिवाइडर से टकराकर घायल हुए बाइकसवार कर्मचारी की मौत

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

रातीबड़ इलाके में डिवाइडर से टकराकर घायल हुए बाइक सवार एक कर्मचारी की मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार रमेश नाथ (55) शासकीय कर्मचारी थे और कोटरा सुल्तानाबाद में रहते थे। रविवार को वह किसी काम से रातीबड़ गए थे। शाम को वापस लौटते समय हक अस्पताल के पास उनकी बाइक अचानक डिवाइडर से टकरा गई, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई थी। घायल रमेश नाथ को इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उन्हें जयप्रकाश अस्पताल भेजा गया था। जयप्रकाश अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

शहर के अलावा दूसरे राज्यों में काटी फरारी

## हत्या के प्रयास में फरार चल रहे दो इनामी आरोपी पकड़ाए

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

अशोका गार्डन इलाके में हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी पर तीन हजार का इनाम घोषित किया गया था। पूछताछ के दौरान पता चला कि आरोपियों ने भोपाल के अलावा दूसरे राज्यों में फरारी काट रहे थे। जानकारी के अनुसार सेठी नगर अशोका गार्डन निवासी नफीस खान बीती चौदह अप्रैल को अपने भाई बबलू उर्फ रफी को लेने के लिए परिहार चौराहा आया था। इसी दौरान एक स्कूटर पर सवार दो लड़कों पहले उसके स्कूटर को टक्कर मारी और फिर चाकू से हमला कर दिया। उसके बाद दोनों लड़के वहां से चले गए। कुछ समय बाद वापस लौटे और नफीस के भाई बबलू पर चाकू से गर्दन और माथे पर प्राणघातक हमला कर दिया और भाग निकले। पुलिस ने इस मामले में अयान उर्फ मोगली और रेहान खान उर्फ बच्चा के खिलाफ केस दर्ज किया था। गिरफ्तार को लेकर घोषित हुआ था इनाम घटना के बाद से ही आरोपियों की तलाश चल रही थी। दोनों की गिरफ्तारी पर तीन हजार का इनाम भी घोषित किया गया था। पिछले दिन निशातपुरा पुलिस की मदद से आरोपी रेहान खान उर्फ बच्चा को गिरफ्तार कर लिया गया। इसी प्रकार गत दिवस अयान खान उर्फ मोगली को पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान पता चला कि घटना के बाद आरोपी भोपाल, नागपुर, मुम्बई, कानपुर, महू आदि शहरों में फरारी काट रहे थे। वारदात में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के लिए आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

## नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला फरार आरोपी हिरासत में

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

ऐशबाग इलाके में रहने वाली एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। जानकारी के अनुसार इलाके में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी ने चार महीने पहले आरोपी सोहेल खान के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाया था। पुलिस ने दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। घटना के बाद से आरोपी फरार हो गया था, जिसकी गिरफ्तारी पर दस हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम बनाई गई थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि पोक्सो एक्ट में फरार चल रहा आरोपी सोहेल खान कुछ देर में जहांगीराबाद स्थित पशु चिकित्सालय के पास से निकलने वाला है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी सोहेल को गिरफ्तार कर लिया।

**मेट्रो एंकर** नगर निगम ने निकाला नायाब तरीका: धार्मिक अपशिष्ट प्रबंधन के शून्य अपशिष्ट मॉडल बदला

# फूल-माला से बन रही अगरबत्ती, धूपबत्ती, गुलाल और रस्सियां

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

नगर निगम राजधानी को गंदगी मुक्त बनाने के लिए हर वह कदम उठा रहा है, जो इसके अनुकूल हो। शहर में करीब 4 हजार से अधिक स्थानों पर विराजमान गणेश प्रतिमाओं के पंड़ालों से प्रतिदिन निकलने वाले फूल-माला इत्यादि सामग्री से करीब 100 लोगों को रोजगार भी उपलब्ध हो रहा है। नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त देवेंद्र चौहान ने कहा है कि इस पहल से पवित्र प्रसाद का सम्मानजनक और उत्पादक उपयोग भी कर रही है। इस पहल का बड़ा फायदा हो रहा है। इससे जल और वायु प्रदूषण में कमी, शहर की स्वच्छता में सुधार, आजीविका के नए अवसरों का सृजन और धार्मिक अपशिष्ट प्रबंधन के शून्य अपशिष्ट मॉडल की ओर एक व्यावहारिक कदम है।

शहर के दानपानी कचरा स्थानांतरण स्टेशन पर एक विशेष प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किया गया है, जहां फूल, नारियल, नारियल के रेशे, अगरबत्ती के अवशेष और अन्य पूजा सामग्री को अगरबत्ती, धूपबत्ती, गुलाल, कोको पीट और रस्सियों में बदला जा रहा है। यह पहल न केवल प्रदूषण को रोकती है, बल्कि लगभग 100 लोगों के लिए रोज़गार भी पैदा करती है। परंपरागत रूप से, पंडालों से निकलने वाले पूजा के अवशेषों को नालियों या कूड़ेदानों में फेंक दिया जाता था, जिससे जल प्रदूषण, दुर्गंध और भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंचती थी। नई व्यवस्था के तहत, इन पवित्र सामग्रियों को धार्मिक और दैनिक उपयोग की वस्तुओं में पुनर्चक्रित किया जा रहा है, जिससे सम्मान और दोबारा उपयोग भी हो रहा है।

### ऐसे हो रहा काम

वार्ड स्तर पर विशेष टीमें सात वाहनों की मदद से 10 ज़ोन के 85 वार्डों से सामग्री एकत्र कर रही हैं। वर्तमान में इस संयंत्र में प्रतिदिन लगभग तीन टन सामग्री प्राप्त होती है, जबकि मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों से सामान्य दिनों में दो टन सामग्री एकत्र की जाती है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में संचालित इस संयंत्र की प्रसंस्करण क्षमता प्रतिदिन तीन टन है और यह निगम के लिए लगभग 5,000 रुपये मासिक राजस्व उत्पन्न करता है।

## ग्रामीण इलाकों में सक्रिय मवेशी चोरों का नहीं लगा सुराग

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी के ग्रामीण इलाकों सक्रिय मवेशी चोर लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। पिछले एक महीने के भीतर लाखों रुपए कीमत के मवेश चोरी हो गई, लेकिन पुलिस एक भी वारदात को आरोपियों का सुराग नहीं लगा पाई है। रातीबड़ में भैंस चोरी के बाद बदमाशों ने मिसरोद इलाके से गाय चोरी कर ली हैं। जानकारी के अनुसार ग्राम भानपुर केकडिया निवासी मन्नान खान (30) खेती किसानी करते हैं। उन्होंने अपने घर पर भैंस पाल रखी है। करीब दस दिन पहले मन्नान खान ने अपनी तीन भैंसों को घर के बाड़े में बांधा था। अगले दिन सुबह देखा तो तीनों भैंसे गायब थी। बाड़े में पिकअप वाहन के टायरों के निशान मिले थे। मन्नान कई दिनों तक अपनी भैंसों की तलाश करते रहे, लेकिन जब उनका कुछ पता नहीं चला तो थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। चोरी गई भैंसों की कीमत ढाई लाख रुपये बताई गई थी। इधर मिसरोद थानांतर्गत ग्राम दीपड़ी में रहने वाले विमल राय की दो गायें चोरी हो गई। घटना बीती सात अगस्त की बताई गई है। काफी तलाश के बाद भी जब गायों का कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके पहले थाना सूखी सेवनिया और ईंटखेड़ी इलाके में बड़ी संख्या में भेडें चोरी हो चुकी हैं। यह भेडें राजस्थान से यहां चराने के लिए लाई गई थी। रात के समय मवेशी चोर भेड़ों को लोडिंग वाहन में भरकर ले गए थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022